PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 188 ● भिलाई, सोमवार 02 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

किसानों-महिलाओं से लेकर नौकरी पेशा लोगों तक, बजट में निर्मला सीतारमण ने किए ये 10 बड़े ऐलान

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार का 15वां और अपना 9वां बजट पेश किया है। इस बजट में सरकार ने हर एक सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। जिसमें, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिलाओं और तकनीकी क्षेत्र के लिए मुख्य घोषणाएं की गई हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने बजट 2026-27 में आगामी वित्त वर्ष के लिए कुल खर्च 53.5 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है, जो अहम कार्यक्रमों को लगातार सपोर्ट देने और साथ ही फिस्कल कंसोलिडेशन के रास्ते पर चलने को दिखाता है। अपने बजट भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने कहा कि हमारा बजट, तीन कर्तव्यों पर आधारित है। पहला कर्तव्य आर्थिक विकास को गति देना है। दूसरा कर्तव्य लोगों की महत्वाकाक्षाओं को विकसित करना है। और तीसरा कर्तव्य सबका साथ-सबका विकास है।

अप्रैल से लागू होगी नई आयकर नियमावली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर व्यवस्था को सरल बनाने के लिए नई आयकर नियमावली लागू करने का ऐलान किया है। एक अप्रैल से आयकर अधिनियम 2025 लागू हो जाएगा। इसके साथ ही सीतारमण ने टीडीएस का एक से दो प्रतिशत लगेगा। इससे प्राइवेट नौकरी करने वालों को बड़ी सहूलियत मिलेगी।

चार राज्यों में बनेगा 'रेयर अर्थ कॉरिडोर'

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट में चार राज्यों में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 'रेयर अर्थ स्थायी चुम्बकों के लिए एक योजना 2025 में शुरू की गई थी। इसी कड़ी में हम खनिज संपन्न राज्यों- ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को समर्पित 'रेयर-अर्थ कॉरिडोर' स्थापित करने में सहायता देने का प्रस्ताव करते हैं।

'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' की सौगात

निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' लॉन्च करने जा रहे हैं। इसके अलावा हम तकनीक और कुशल कार्यबल विकसित करने के लिए उद्योग के नेतृत्व वाले अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्रों पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि मैं उच्च गुणवत्ता वाले खेल उपकरणों के विनिर्माण और अनुसंधान के लिए एक समर्पित पहल शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।

एम्स जैसे बनेंगे 3 आयुर्वेदिक अस्पताल

मोदी सरकार आयुर्वेद के बढ़ावे पर भी जोर दे रही है। निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान कहा कि एम्स जैसे 3 नए आयुर्वेदिक हॉस्पिटल बनाए जाएंगे। भारत को मेडिकल टूरिज्म बनाने के लिए 5 क्षेत्रीय हब स्थापित करने के लिए राज्यों को सहायता देने का ऐलान किया है। इसके साथ ही पशु चिकित्सा के लिए भी डॉक्टर बनाने और सब्सिडी देने की घोषणा की गई है।

एमएसमई विकास के लिए 10 हजार करोड़

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एमएसमई को बढ़ावा देने के लिए बड़ा ऐलान किया है। बजट 2026-27 में 10 हजार करोड़ रुपये के समर्पित एसएमई विकास निधि की शुरुआत करेगी। इसके साथ ही आत्मनिर्भर भारत कोष में अतिरिक्त 2000 करोड़ रुपये डाले जाएंगे। इतना ही नहीं ट्रेड्स के साथ एमएसएमई के लिए 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि उपलब्धता पेशेवर सहायता दी जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों की आय को बढ़ाने के लिए बजट 2026-27 में कई बड़ी घोषणाएं की हैं। मत्स्य पालकों के लिए 500 अमृत सरोवर, एनिमल हस्बैंड्री एंटरप्रेन्योरशिप को प्रोत्साहन, कोकोनट प्रमोशन स्कीम के साथ-साथ भारतीय काजू और कोकोआ को ग्लोबल ब्रांड बनाने की योजना है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार का 15वां और अपना 9वां बजट पेश किया है। इस बजट में सरकार ने हर एक सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। जिसमें, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिलाओं और तकनीकी क्षेत्र के लिए मुख्य घोषणाएं की गई हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने बजट 2026-27 में आगामी वित्त वर्ष के लिए कुल खर्च 53.5 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है, जो अहम कार्यक्रमों को लगातार सपोर्ट देने और साथ ही फिस्कल कंसोलिडेशन के रास्ते पर चलने को दिखाता है। अपने बजट भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने कहा कि हमारा बजट, तीन कर्तव्यों पर आधारित है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार का 15वां और अपना 9वां बजट पेश किया........

इस बजट में सरकार ने हर एक सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए....

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार का 15वां और अपना 9वां बजट पेश किया है। इस बजट में सरकार ने हर एक सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। जिसमें, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिलाओं और तकनीकी क्षेत्र के लिए मुख्य घोषणाएं की गई हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने बजट 2026-27 में आगामी वित्त वर्ष के लिए कुल खर्च 53.5 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है, जो अहम कार्यक्रमों को लगातार सपोर्ट देने और साथ ही फिस्कल कंसोलिडेशन के रास्ते पर चलने को दिखाता है। अपने बजट भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने कहा कि हमारा बजट, तीन कर्तव्यों पर आधारित है। पहला कर्तव्य आर्थिक विकास को गति देना है। दूसरा कर्तव्य लोगों की महत्वाकाक्षाओं को विकसित करना है। और तीसरा कर्तव्य सबका साथ-सबका विकास है। जब भारतीय जनता पार्टी पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी है और यूजीसी के नए नियमों को लेकर 'उच्च जाति' की नाराजगी का सामना कर रही है, ऐसे में सुस्त केंद्रीय बजट 2026-27 ने सबको चौंका दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पिटारे में न तो चुनावी राज्यों के लिए कोई बड़ा ऐलान दिखा और न ही कोई स्पष्ट राजनीतिक संदेश नजर आया। बजट में राजनीतिक लुभावने वादों की जगह आर्थिक और नीतिगत मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया गया है, जिसने विश्लेषकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। भाजपा के पारंपरिक वोटर माने जाने वाले मध्यम वर्ग और उच्च जातियों के लिए यह बजट मायूसी लेकर आया। इसके पीछे क्या कारण हैं चलिए विस्तार से जानते हैं जहां पिछले साल के बजट में वित्त मंत्री ने 'मध्यम वर्ग' शब्द का सात बार जिक्र किया था, वहीं इस बार के भाषण में यह शब्द पूरी तरह नदारद रहा। आयकर में कोई राहत नहीं मिली, बस फॉर्म और नियमों को सरल बनाने का वादा किया गया। सरकार का कहना है कि नए फॉर्म ऐसे होंगे जिन्हें आम आदमी आसानी से भर सके, लेकिन टैक्स में छूट की उम्मीद लगाए बैठे वेतनभोगी वर्ग को इससे कोई खास तसल्ली नहीं मिली है। साल 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भाजपा पिछले दस सालों से मजबूत स्थिति में है, जबकि पश्चिम बंगाल में वह तृणमूल कांग्रेस को कड़ी टक्कर देने के बावजूद अभी तक सत्ता तक नहीं पहुंच पाई है। तमिलनाडु और केरल में पार्टी अपनी जमीन तलाशने में जुटी है। इतनी बड़ी राजनीतिक लड़ाई के बावजूद बजट भाषण में इन राज्यों का नाम बमुश्किल ही सुनने को मिला। पश्चिम बंगाल का नाम एक बार भी नहीं लिया गया, हालांकि राज्य के सिलीगुड़ी और दुर्गापुर का उल्लेख अलग-अलग परियोजनाओं के संदर्भ में जरूर हुआ। असम का जिक्र भी सिर्फ एक बार प्रस्तावित बौद्ध सर्किट के संदर्भ में किया गया। हैरानी की बात यह है कि पिछले साल के बजट में बिहार का छह बार जिक्र हुआ था और वहां के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई थीं, जबकि इस बार बिहार में एनडीए को बहुमत मिलने के बावजूद राज्य का कहीं जिक्र नहीं था। इसी तरह आंध्र प्रदेश, जो एनडीए के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और जहां सहयोगी टीडीपी की मजबूत पकड़ है, उसका नाम भाषण में सिर्फ दो बार आया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी पिछले साल आंध्र प्रदेश की अनदेखी और बिहार पर फोकस को लेकर सवाल उठाए थे।

शेयर बाजार को नहीं भाया बजट; सेंसेक्स-निफ्टी में भारी गिरावट, निवेशकों में हाहाकार

केंद्रीय बजट 2026 पेश होने के बाद भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बजट घोषणाओं से निवेशक संतुष्ट नहीं दिखे, जिसके चलते बाजार में तेज बिकवाली शुरू हो गई। कारोबार के दौरान निफ्टी 50 करीब 2 फीसदी गिर गया, जबकि सेंसेक्स में भी लगभग 2 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। बजट भाषण खत्म होने के बाद, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड सेंसेक्स पर टॉप गेनर रहा, जिसमें 0.77 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड रहा, जिसमें 0.71 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक लिमिटेड 0.00ø पर फ्लैट रहा और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। नुकसान वाली कंपनियों में, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, जो 6.50 प्रतिशत गिरा। स्टेट बैंक ऑफइंडिया लिमिटेड 3.38 प्रतिशत गिरा, एनटीपीसी लिमिटेड 3.06 प्रतिशत गिरा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 2.91 प्रतिशत गिरा, और बजाज फाइनेंस लिमिटेड 2.50 प्रतिशत गिरा। यूनियन बजट 2026 के बाद शेयर बाजार में आई तेज गिरावट की एक बड़ी वजह फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग का महंगा होना माना जा रहा है। सरकार ने सट्टेबाजी पर लगाम कसने के इरादे से सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्समें बड़ा इजाफा किया है। बजट में फ्यूचर्स पर ,एसटीटी को 150 फीसदी और ऑप्शंस पर 50 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है, जिससे शॉर्ट टर्म ट्रेडिंग महंगी हो गई। जैसे ही वित्त मंत्री का बजट भाषण खत्म हुआ, बाजार में बिकवाली तेज हो गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 1.38 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.96 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, इंडिया वीआईएक्स में 5.51 फीसदी की तेजी आई, जो बाजार में बढ़ती अस्थिरता का संकेत है।

देश मे सात हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का एलान, पुणे, हैदराबाद और वाराणसी समेत इन शहरों के नाम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे को लेकर भी बजट 2026-27 में बड़ा ऐलान किया है। बजट भाषण में कहा गया कि 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इनमें मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद से चेन्नई, सिलिगुड़ी से वाराणसी बनाए जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, भारत को मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में बढ़ावा देने के लिए, मैं राज्यों को देश में 5 क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने में सहायता देने के लिए एक योजना का प्रस्ताव करती हूं। वित्त मंत्री ने कहा कि पांच राज्यों में रेयर अर्थ मिनरल के डेडिकेटेड कॉरिडोर बनेगा। वहीं इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के लिए उपकरण और सामग्री उत्पादन, सप्लाई चेन मजबूत करने के लिए आईएसएम 2.0 शुरू किया जाएगा। इसके अलावा बजट में ऐलान किया गया है कि इनकम टैक्स के फॉर्म को आसान बनाया जाएगा। 1 अप्रैल से इनकम टैक्स का नया फॉर्म आएगा। विदेश यात्रा पर टीडीएस 2 फीसदी होगा।

सिगरेट 55 रुपए होगी महंगी आज से बढ़ गई एक्साइज ड्यूटी

सिगरेट और बीड़ी: सरकार ने 'सिन गुड्स' पर सख्ती दिखाते हुए सिगरेट और बीड़ी पर नेशनल कैलेमिटी कन्टिंजेंट ड्यूटी बढ़ा दी है, जिससे ये अब महंगे हो जाएंगे। पान मसाला और गुटखा: तंबाकू उत्पादों, गुटखा और पान मसाला पर टैक्स और सेस बढ़ाने का एलान हुआ है। रविवार से अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी लागू होने के बाद 10 स्टिक वाले सिगरेट पैकेट की कीमत में कम से कम 22 से 25 रुपये की वृद्धि हुई है। डिस्ट्रीब्यूटरों के मुताबिक, 76 मिमी लंबाई वाली प्रीमियम सिगरेट का पैकेट (10 स्टिक) अब ब्रांड के हिसाब से 50 से 55 रुपये महंगा हो जाएगा। मैन्युफैक्चरर ने अभी तक नए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का एलान तो नहीं किया है, लेकिन डिस्ट्रीब्यूटर ने रिटेलर को 40 प्रतिशत जीएसटी के साथ पुराना स्टॉक देना शुरू कर दिया है। डिस्ट्रीब्यूटर्स को उम्मीद है कि महीने के आखिर तक मैन्युफैक्चरर्स से नए एमआरपी वाले सिगरेट पैक आ जाएंगे। एक स्टॉकिस्ट ने कहा, 'कुछ कंपनियों ने पहले ही अपना स्टॉक रोक दिया है। वे नए कर ढांचे के तहत बाद में इसे बाजार में भेजेंगे। डिस्ट्रीब्यूटर्स को डर है कि कीमतों में बढ़ोतरी से स्मगलिंग और नकली प्रोडक्ट्स का बढ़ना बढ़ सकता है।

बजट 2026 पर पीएम मोदी का संबोधनः बोले- ये युवाशक्ति का बजट है... अपार अवसरों का राजमार्ग

केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का बजट ऐतिहासिक है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार 9वीं बार देश का बजट प्रस्तुत करके नया रिकॉर्ड बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट को देश के भविष्य की दिशा तय करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है, जो 2047 के विकसित भारत के सपने को मजबूत आधार देता है। पीएम मोदी के अनुसार, यह बजट देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का रोडमैप है, जिससे हर वर्ग को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस समय जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, उसे इस बजट से नई ऊर्जा और तेज़ रफ्तार मिलेगी। उन्होंने साफकिया कि भारत केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं है, बल्कि जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि बजट 2026-27 में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई गति देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पेश किया गया है। खासतौर पर यानी लघु, छोटे और कुटीर उद्योगों को इस बजट में मजबूत समर्थन दिया गया है। इससे ये उद्योग लोकल से ग्लोबल बनने की ताकत हासिल करेंगे और देश में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

एआई अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा परमाणु ऊर्जा- अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की बुनियादी ढांचा और ऊर्जा नीति को लेकर दो अहम घोषणाएं की हैं। उन्होंने बताया कि सरकार एक नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की शुरुआत करने जा रही है, जो पश्चिम बंगाल को गुजरात से जोड़ेगा। मंत्री ने कहा कि पश्चिमी और पूर्वी फ्रेट कॉरिडोर में अब तक उल्लेखनीय प्रगति हो चुकी है और ये लगभग अपनी क्षमता सीमा तक पहुंच चुके हैं। इन दोनों कॉरिडोर पर फिलहाल प्रतिदिन करीब 400 मालगाड़ियां संचालित हो रही हैं। इसी बढ़ते दबाव को देखते हुए नए फ्रेट कॉरिडोर की आवश्यकता महसूस की गई है, जिससे लॉजिस्टिक्स व्यवस्था और अधिक सशक्त होगी। ऊर्जा और तकनीक के संबंध पर बात करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि परमाणु ऊर्जा भविष्य की एआई आधारित अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई संरचना की पांचवीं परत यानी ऊर्जा लेयर में परमाणु ऊर्जा की अहम भूमिका होगी। मंत्री के अनुसार, एआई आधारित सिस्टम को लंबे समय तक स्थिर और स्वच्छ ऊर्जा की जरूरत होती है, जिसे परमाणु ऊर्जा बेहतर तरीके से उपलब्ध करा सकती है। यह न केवल क्लीन एनर्जी प्रदान करती है, बल्कि एआई इकोनॉमी की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने में भी मददगार साबित होगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे में किए गए सुधारों का असर साफ दिखाई दे रहा है और दुर्घटनाओं में करीब 95 प्रतिशत तक कमी आई है। उन्होंने बताया कि अब सरकार सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए रखरखाव पर विशेष जोर दे रही है। मंत्री के अनुसार, ट्रैक मेंटेनेंस, लोको, वैगन और कोच की नियमित देखभाल, सुरक्षा कवच प्रणाली (कवच) का तेजी से विस्तार, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, ओवरहेड

आर्थिक रणनीति में फेल बजट पी. चिदंबरम का तीखा हमला

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बजट भाषण पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा हमारा निष्कर्ष साफहै यह बजट आर्थिक रणनीति और इकोनॉमिक स्टेट्समैनशिप की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने योजनाओं, कार्यक्रमों, मिशनों, फंड और समितियों की संख्या बढ़ाने पर ही जोर दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा आप खुद कल्पना कर सकते हैं कि इनमें से कितनी योजनाएं अगले साल तक भुला दी जाएंगी। चिदंबरम ने कहा कि आयकर अधिनियम 2026, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होना है, उसके पारित होने के कुछ महीनों बाद ही दरों में बदलाव कर दिए गए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश की अधिकांश आबादी आयकर के दायरे में ही नहीं आती, इसलिए इन बदलावों का आम जनता पर सीमित असर होगा। अप्रत्यक्ष करों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए बजट भाषण के सिर्फकुछ ही पैराग्राफमायने रखते हैं और उनमें दी गई रियायतें भी बेहद मामूली हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने सरकार पर आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा या तो सरकार ने आर्थिक सर्वेक्षण पढ़ा ही नहीं या फिर जानबूझकर उसे पूरी तरह दरकिनार कर दिया। चिदंबरम ने अमेरिका द्वारा लगाए गए दंडात्मक टैरिफ, चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे, स्नष्ठढ्ढ को लेकर अनिश्चितता और लगातार हो रहे स्नक्कढ्ढ आउटफ्लो जैसे गंभीर मुद्दों का जिक्र किया और कहा कि बजट भाषण में इनका कोई ठोस समाधान नहीं दिखा। चिदंबरम ने यहां तक कहा कि बजट भाषण के दौरान तालियां भी औपचारिक थीं और कई लोग जल्दी ही रुचि खो बैठे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि संसद टीवी का प्रसारण भी कुछ समय के लिए बंद हो गया।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने बजट को बताया 'संकल्प से सिद्धि', बोले- यह विकसीत भारत 2047 का रोडमैप

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत 2047 के लिए 'संकल्प से सिद्धि' बताया। नितिन नबीन ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रस्तावित योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनसे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं कर्तव्य भवन में तैयार किए गए बजट का स्वागत करता हूं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा नौवीं बार बजट पेश करना भाजपा की नीतिगत स्थिरता और सुशासन को दर्शाता है। यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास' का सिद्धांत इस बजट में झलकता है। साथ ही, यह विकसित भारत 2047 के लिए 'संकल्प से सिद्धि' वाला बजट है। नितिन नबीन ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद, भारत 7 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है। यह दर्शाता है कि हमने अपने जीडीपी को कैसे मजबूत किया है और मुद्रास्फीति को कैसे नियंत्रित किया है। बजट में गहराई है। यह युवाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट है। विनिर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जा रहा है और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। सेमीकंडक्टर में 40,000 करोड़ रुपये और बायो फार्मा में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश इस सोच को दर्शाता है कि हम रोजगार के नए अवसरों की ओर अग्रसर हैं।

घर की नौकरानी ही निकली 'चोर', 20 लाख के हीरे-सोने के जेवर समेत गिरफ्तार

पद्मनाभपुर पुलिस ने चंद घंटों में सुलझा ली गुत्थी

दुर्ग । पद्मनाभपुर पुलिस ने एक बड़ी चोरी की गुत्थी को महज चंद घंटों में सुलझाते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। घर में काम करने वाली नौकरानी ने ही मालिक का भरोसा तोड़कर लाखों के जेवरों पर हाथ साफकिया था। पुलिस ने आरोपिया के कब्जे से चोरी किए गए 20 लाख रुपये के सोने और हीरे के आभूषण बरामद कर लिए हैं।

सीसीटीवी फुटेज से खुला राज- घटना ॥द्धत्न-157, मिनी क्रिकेट स्टेडियम के सामने रहने वाले राहुल जैन के घर की है। प्रार्थी ने घर से हीरे और सोने के जेवर गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने धारा 331(4) और 305(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान जब पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों का मिलान किया, तो शक की सुई घर में काम करने वाली महिला कविता देशलहरे (निवासी स्टेशन मरोदा) पर जाकर टिकी।

विश्वास का फायदा उठाकर की चोरी- पुलिस की पूछताछ में आरोपी महिला ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह लंबे समय से राहुल जैन के घर में घरेलू कामकाज कर रही थी। परिवार का विश्वास जीतने के बाद उसने मौका पाकर अलमारी से कीमती आभूषण पार कर दिए थे। पद्मनाभपुर थाना प्रभारी राजकुमार लहरें और उनकी टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर माल बरामद कर आरोपी महिला के कार्रवाई की जा रही है ।

बरामद किए गए आभूषण:

हीरे जड़ी एक सोने की चेन

दो मंगलसूत्र और एक कीमती नेकलेस

दो नग कान के झुमके

चांदी की करधन, बड़ी और छोटी पायल व बिछिया

दुर्ग पुलिस की नागरिकों से अपील

इस घटना के बाद दुर्ग पुलिस ने अपील की है कि:

घर में काम करने वाले कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन (सत्यापन) अनिवार्य रूप से कराएं।

किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें। नौकरों पर अत्यधिक भरोसा कर कीमती सामान की सुरक्षा में लापरवाही न बरतें।

मनरेगा और धान खरीदी पर प्र्रदर्शन, चक्काजाम कर भाजपा पर बरसे, कांग्रेस लगातार कर रही मनरेगा संसोधन का विरोध

राजनांदगांव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बलिदान दिवस के अवसर पर 30 जनवरी को कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत ब्लाक स्तर पर शांतिपूर्ण धरना/प्रदर्शन एवं प्रदेश के किसानों की धान खरीदी हेतु निर्धारित तिथि आगे बढ़ाए जाने की मांग को लेकर सांकेतिक चक्काजाम किया गया। इस दौरान धान खरीदी में उपजी अव्यवस्था, किसानों को संदेही मानने जैसे दुर्व्यवहार पर भी कांग्रेस ने विरोध दर्ज कराया। राजनांदगांव शहर में उत्तर व दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अलग-अलग दो स्थानों पर आयोजनों में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। दोनों स्थानों पर धरना-प्रदर्शन के दौरान जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार पहुंचे और कार्यकर्ताओं, किसानों और समर्थकों का उत्साह बढ़ाया। जिला शहर कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर उत्तर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चेतन भानुशाली के नेतृत्व में कन्हारपुरी मोड़, दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लक्ष्मण साहू के नेतृत्व में हल्दी में प्रदर्शन किया गया। 11 बजे से 1 बजे तक धरना प्रदर्शन के बाद कांग्रेसियों ने दमखम के साथ चक्काजाम किया।

दर्शन को देखते हुए मौके पर पहले ही बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए गए थे। प्रदर्शन के दौरान जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि सत्तालोलुप भाजपा किसान, मजदूर, गरीब का दर्द नहीं जानती। ग्रामीण मजदूरों से मनरेगा की रोजगार गारंटी और आजीविका छीनी जा रही है। किसानों को धान बेचने से रोका जा रहा है। महंगाई चरम पर है और मध्यम, गरीब-निम्न वर्गीय परिवारों का जीवन यापन करना मुहाला हो गया है। ट्रिपल इंजन में विकास का वायदा करने वाली भाजपा की सरकार में सिर्फ और सिर्फ महंगाई, शोषण और भ्रष्टाचार के तीन इंजन चल रहे हैं। इस प्रदर्शन के दौरान कमलजीत सिंह पिंटू, श्रीकिशन खंडेलवाल, कुतुबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, अशोक फड़नवीस, राकेश जोशी, अशोक पंजवानी, विनय झा, प्रवीण मेश्राम, माया शर्मा, अमर झा,राजिक सोलंकी सुनीता सिन्हा, जयेश साहू, ललित मरकाम, लोकू यादव, लोकेश साहू, मोहित साहू, लालू साहू, नेमचंद साहू, लोकेश राय, प्रवीण चंद्राकर सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

प्रलोभन देकर धर्मांतरण का प्रयास करने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार, पुलिस ने दर्ज किया केस

भिलाई/चरोदा / विशेष संवाददाता। पुरानी भिलाई थाना अंतर्गत पदुमनगर क्षेत्र में प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने प्रार्थिया को बीमारी ठीक होने और आर्थिक सहायता का लालच दिया था।

आर्थिक सहायता और शादी में मदद का लालच

पुलिस के अनुसार, पदमनगर चरोदा निवासी रूखमणी पाण्डेय (36 वर्ष) ने शिकायत दर्ज कराई कि 25 जनवरी को दो अज्ञात महिलाएं उनके घर आई थीं। उन्होंने ईसाई धर्म अपनाने पर बीमारी ठीक करने और आर्थिक मदद का झांसा दिया। जब प्रार्थिया ने मना कर दिया, तो वे चली गई। रविवार, 1 फरवरी को वे महिलाएं फिर पहुंचीं और बाइबिल पढ़ने, इलाज कराने और बेटी की शादी में मदद करने का प्रलोभन देते हुए धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया।

विरोध के बाद पुलिस की कार्यवाही- प्रार्थिया और उनके परिजनों द्वारा विरोध करने के बाद मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अपराध क्रमांक 71/2026 के तहत धारा 299 बीएनएस और छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 04 के अंतर्गत मामला दर्ज किया। विवेचना के बाद पुलिस ने दोनों आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी महिलाएं

सारिका डाडिंगे (42 वर्ष), निवासी खुर्सीपार।

प्रियंका साईमन (33 वर्ष), निवासी कुम्हारी।

दुर्ग पुलिस की अपीलः

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के प्रलोभन, दबाव या बहकावे में न आएं। ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। प्रशासन कानून के विरुद्ध कार्य करने वालों पर सख्त कार्यवाही करेगा।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन

सरायपाली। सरायपाली ग्राम रोहिना में युवा आजाद समिति रोहिना के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय ग्रामीण कबडडी प्रतियोगिता के लगातार आयोजन का 39 वां वर्ष का कबड्डी प्रतियोगिता का दो दिवसीय कबडडी प्रतियोगिता के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह के द्वितीय दिवस में अतिथिगण चातुरी नंद, विधायक, गिरधारी साहू संभागीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ कोलता समाज, पीयूष सिंह ठाकुर सीईओ बसना, सरपंच संघ ब्लाक अध्यक्ष बसना लखन पटेल, डॉ.योगेश बरिहा, डॉ अर्चना बरिहा कल्पना नर्सिंग होम भंवरपुर, सीताराम चौधरी प्रबंधक सोसायटी रोहिना, देवकी दीवान सभापति जिला पंचायत महासमुंद, कुमारी भास्कर सभापति जिला पंचायत महासमुंद, पुष्पलता चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, दण्डधर साव मंडल अध्यक्ष केदुवां,जगदीश पटेल व्यापारी सागरपाली, बनितराम सिदार अध्यक्ष सोसायटी रोहिना खिलाड़ियों के खेलकौशल को देखने उपस्थित थे। चातुरी नंद विधायक सरायपाली ने अपने संबोधन में कहा कि युवा आजाद समिति रोहिना द्वारा लगता 39 वर्ष तक कबडडी प्रतियोगिता आयोजित करना एक मिसाल है। खेल शारीरिक, मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करता है। सेवा, सहयोग, प्रेम भाव बढ़ाता है। उन्होंने युवा आजाद को सामुदायिक भवन हेतु 5लाख रुपये देने की घोषणा भी की। कुमारी भास्कर ने खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिता शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिये अत्यंत जरूरी है। यह फिट व स्वस्थ रहने में मदद करती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है, टीमवर्क व अनुशासन सिंखाती है। याददाश्त व मानसिक क्षमता में सुधार करती है। खेलों से हमें हार-जीत को स्वीकार करने, कड़ी मेहनत करने और कड़ी मेहनत करने, समय प्रबंधन करने करने जैसे जीवन कौशल विकसित होते हैं। कबडडी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मधुबनखुर्द, बिलाईगढ़ टीम ने 7 अंकों से ठाकुरीपाली, बागबाहरा टीम को पराजीत कर 21011 रूपये व ट्राफी पर कब्जा जमाया। द्वितीय स्थान ठाकुरीपाली, बागबाहरा ने10011 रुपये व ट्राफी, तृतीय लोहारपाली 7011 रुपये व ट्राफी, चतुर्थ रोहिना 5011 रुपये व ट्राफी प्राप्त किये। बेस्ट ऑल राउंडर विनय मधुबन खुर्द, बेस्ट केचर दिलीप मधुबनखुर्द, बेस्ट रेडर दीपक ठाकुरीपाली ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर प्राप्त किया। इस खेल में स्थानीय टीम व क्षेत्र के स्तरीय 41 टीमों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस खेल प्रतियोगिता में दो दिनों तक खेलप्रेमियों ने हजारों की संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखा। युवा आजाद समिति रोहिना के अध्यक्ष लोचन प्रसाद साहू, संरक्षक केशव सेठ, संयोजक नरहरि साहू,सलाहकार क्षमानिधी साहू, अक्षय सिदार, सचिव मनोरंजन साहू, भीष्मदेव टेकाम, त्रिलोकेश सेठ, महेन्द्र साहू, दामोदर साहू, क्षेत्रपाल टेकाम, अवधेश साहू, शत्रुघ्न गोरियर, धनुर्जय मरकाम, हरेश प्रधान, सुमित साहू, प्रभात सेठ, विष्णु बंजारा, जीतू बेहरा व राधेश्याम सेठ व अन्य पदाधिकारियों, सदस्यों ने प्रतियोगिता के शानदार आयोजन में सहयोग करने वाले दानदाताओं, खिलाड़ियों, कबडडी निर्णायकों, क्षेत्र के जन प्रतिनिधिओं व दर्शकों का सफल आयोजन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। निर्णायक केशव सेठ राष्ट्रीय एम्पायर अक्षय सिदार राष्ट्रीय एम्पायर, मिनकेतन पटेल राज्य एम्पायर, सादराम अजय, गणेश राम पटेल, कौशिक सेठ, परमेश्वर बारीक, युधिष्ठिर यादव, राम प्रसाद यादव, ओडिशा से एम्पायर के उमाशंकर साहू, कन्हैया पटेल ने किया। कबडडी प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए प्रत्यक्ष, परोक्ष सहयोग करने वाले को बहुत बहुत धन्यवाद और आभार।

मोर संगवारी सेवा योजना के तहत 55,755 प्रमाण पत्र किए गए जारी

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निवासरत नागरिकों को घर बैठे शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोर संगवारी सेवा योजना का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। शासन द्वारा इस योजना के अंतर्गत कुल 27 प्रकार के शासकीय दस्तावेज बनाए जाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके लिए नागरिकों की सुविधा हेतु निःशुल्क टोल फ्री नंबर 14545 जारी किया गया है, जिस पर कॉल कर मोर संगवारी एजेंट को घर बुलाकर आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए जा सकते हैं। मोर संगवारी सेवा योजना के अंतर्गत अब तक विवाह प्रमाण पत्र 3,917, मृत्यु प्रमाण पत्र 3,059, जन्म प्रमाण पत्र 5,058, दुकान एवं स्थापना पंजीयन (गुमास्ता लाइसेंस) 357, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन 14,989, पैन कार्ड सेवा 285, आधार मोबाइल नंबर अपडेट 17,655, मूल निवास प्रमाण पत्र 1,448, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र 65, पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र 305, आय प्रमाण पत्र 4,060, एपीएल राशन कार्ड 429, विवाह सुधार प्रमाण पत्र 255, इस प्रकार कुल 51,882 प्रमाण पत्र तथा अन्य 3,873 प्रमाण पत्र, मिलाकर अब तक 55,755 प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में नागरिकों को प्रमाण पत्रों की डिलीवरी के मामले में नगर पालिक निगम भिलाई को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस जनहितकारी योजना से न केवल नागरिकों को घर बैठे शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है, बल्कि उनके समय एवं धन की बचत भी हो रही है। साथ ही, शासकीय कार्यों में भी उल्लेखनीय तेजी और पारदर्शिता आई है।

ग्रामीणों को दी गई जी-राम जी योजना से सशक्त एवं समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण की जानकारी

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग जनपद पंचायत पाटन के अंतर्गत ग्राम पंचायत ढौर में दीवार लेखन, रैली एवं जन चौपाल, पंपलेट वितरण कार्य किया गया। ग्राम पंचायत ढौर में शासन की जनकल्याणकारी पहल से ग्रामीणों को अवगत कराने के उददेश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को विकसित भारत जी-राम जी योजना एवं एक्ट, 2025 का पंपलेट वितरण कर जानकारी साझा की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम भ्रमण करते हुए प्रभात रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, पंचायत प्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित रहे। जन चौपाल में अरदीप ढीढी, सहायक परियोजना अधिकारी (मनरेगा), जिला पंचायत दुर्ग ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विकसित भारत जी-राम जी एक्ट, 2025 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर ने जनगणना-2027 हेतु नियुक्त किए 29 अधिकारी

जनगणना के सफल संचालन हेतु जिले से लेकर तहसील स्तर तक सौंपी गई जिम्मेदारी

दुर्ग। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अभिजीत सिंह ने जनगणना-2027 के सफल संपादन हेतु आदेश जारी करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुल 29 अधिकारियों को दायित्व सौंपा है। जिसके अनुसार कलेक्टर अभिजीत सिंह संपूर्ण जिले हेतु प्रमुख जनगणना अधिकारी होंगे। वहीं आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त नगर पालिक निगम दुर्ग सुमीत अग्रवाल, आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली मोनिका वर्मा और आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा डी.एस. राजपूत को उनके संबंधित निगम क्षेत्रों हेतु प्रमुख जनगणना अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल को जिला जनगणना अधिकारी तथा जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी कविता एथोनी को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा सोनल डेविड, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन लवकेश कुमार ध्रुव और अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भिलाई-3 महेश सिंह राजपूत को उनके संबंधित अनुभागों हेतु अनुविभागीय जनगणना अधिकारी का प्रभार दिया गया है। राजस्व तहसीलों में चार्ज जनगणना अधिकारी के रूप में तहसीलदार दुर्ग प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, धमधा तहसीलदार मीना साहू, पाटन तहसीलदार पवन सिंह ठाकुर, बोरी तहसीलदार तार सिंह खरे, भिलाई-3 तहसीलदार रवि विश्वकर्मा और अहिवारा तहसीलदार राधेश्याम वर्मा को नियुक्त किया गया है। नगर पालिक निगम भिलाई के विभिन्न जोनों के लिए जोन आयुक्त अजय राजपूत (जोन-1), येशा लहरे (जोन-2), कुलदीप गुप्ता (जोन-3) और अमरनाथ दुबे (जोन-4 एवं 5) को जोन प्रमुख जनगणना अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार विभिन्न नगर पालिका परिषदों और पंचायतों के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रीति गुप्ता (अमलेश्वर), नेतराम चन्द्राकर (कुम्हारी), सीमा बख्शी (जामुल), अंकुर पाण्डेय (अहिवारा), नेतराम रत्नेश (धमधा), राजेन्द्र नायक (उतई) और हेमन्त कुमार वर्मा (पाटन) को नगर चार्ज जनगणना अधिकारी के पद पर उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय बजट: शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बजट को बताया ऐतिहासिक, आयुर्वेद एम्स की घोषणा छत्तीसगढ़ के लिए साबित हो सकता है 'मील का पत्थर'

दुर्ग/ विशेष संवाददाता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में पेश किए गए 12वें केंद्रीय बजट का दुर्ग में भाजपा नेताओं ने स्वागत किया है। बजट के तुरंत बाद दुर्ग स्थित भाजपा कार्यालय में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बजट की बारीकियों और छत्तीसगढ़ को होने वाले फायदों पर चर्चा की।

विकसित भारत की ओर मजबूत कदम- पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने बजट की सराहना करते हुए इसे गरीब, किसान, युवा और मध्यम वर्ग के हितों को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक सशक्त दस्तावेज है।

छत्तीसगढ़ को मिल सकती है आयुर्वेद एम्स की सौगात- शिक्षा मंत्री ने बजट में आयुर्वेद एम्स (ॠ4ह्वह्1द्गस्त्रड्ड ढ्ढद्बरूस्) की स्थापना की घोषणा को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा, ÷छत्तीसगढ़ प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद के दृष्टिकोण से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ आयुर्वेद एम्स की स्थापना स्वास्थ्य क्षेत्र में नई क्रांति ला सकती है.और आयुष अनुसंधान के क्षेत्र में प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है।÷

मिलेगा विकास को नया आयाम- शिक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि बजट के प्रावधानों से न केवल बुनियादी ढांचे का विकास होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में स्वास्थ्य और शिक्षा की गुणवत्ता में भी भारी सुधार होगा। पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बजट को सर्वस्पर्शी और भविष्योन्मुखी बताया।

संक्षिप्त समाचार

एफडी मेच्योर होने का झांसा देकर साढ़े 9 लाख की ठगी

रायपुर। 98 लाख मिलने का झांसा देकर ठग ने एकाउंट में जमा 9.60 लाख रुपए वसूल लिए। मुजगहन पुलिस साइबर सेल की मदद से जांच कर रही है। मिली जानकारी अनुसार बगदई वाटिका कांदुल निवासी परमजीत सिंह चड्ढा 55 वर्ष ने यह रिपोर्ट दर्ज कराई है। परमजीत को 26 जनवरी को दोपहर 2 बजे काल आया। फोन नंबर 8826982241और 7668121478 के कालर ने परमजीत को उसकी एफडी मेच्योर होने की जानकारी दी और भुगतान ले लेने कहा। अज्ञात ने कहा कि उन्हें 9864000 रूपए मिलने की भी जानकारी दी। इस पर परमजीत विथड्रावल के लिए तैयार हो गया। अज्ञात ने प्रोसेसिंग के नाम पर एफ्डी के नकली पेपर तैयार कर आनलाइन भेजा और अपने बताए खाते में 9.60 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। परमजीत को तीन दिन बाद इस झांसे की भनक लगी तो उसने कल रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने धारा 318-4 का मामला दर्ज कर लिया है।

अज्ञात वाहन बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार, यह भीषण सड़क हादसा कसडोल थाने के सेल गांव में नेशनल हाईवे में हुआ है। यहां एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतक तुरकीनडीह गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

डकैती की योजना बनाते 6 गिरफ्तार

रायपुर। दुर्गा नगर केनाल रोड में डकैती की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाते स्कार्पियों सवार 6 लोगों को सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दुर्गा नगर केनाल रोड में स्कार्पियो क्रमांक सीजी 23 जे 6367 में कुछ संदिग्ध लोग सवार है। मामले में पुलिस ने घेराबंदी कर स्कार्पियों वाहन को रोका और उसमें सवार टिकेश सेन्द्रे 30 वर्ष सहित अन्य 5 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने वाहन में से 1 तलवार, 4 नग डंडा और हॉकी स्टीक जब्त किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

आमानाका चौपाटी के पास अवैध शराब बेचते दो गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार तथा डीसीपी वेस्ट संदीप कुमार पटेल के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा और एसीपी देवांश सिंह राठौर के मार्गदर्शन में 29.01.2026 को पश्चिम रायपुर के थाना आमानाका क्षेत्रों में सघन चेकिंग कार्यवाही के दौरान प्रमुख कार्यवाहियां की गई है, कुकुरबेडा ओवर ब्रिज के नीचे देवार पारा मे बोदु देवार एवं उसका साथी बलवंत देवार अवैध रूप से शराब बिक्री कर धन अर्जित कर रहे है कि सुचना पर मौके पर जाकर घेराबंदीकर रेड कार्यवाही कर बोदु देवार व बलवंत देवार दोनो के कब्जे से अग्रेंजी शराब 11 नग गोवा एंव 49 नग देशी मशाला शोले शराब प्रत्येक पौवा 180 एमएल कुल पौवा 60 नग को विधीवत जब्त किया गया।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सीईओ ने की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

रायपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कुमार बिश्वरंजन ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सीईओ श्री बिश्वरंजन ने योजना की वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए बैंकों को आवेदन सोर्सिंग बढ़ाने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी अनावश्यक बाधा के समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी आवेदन को बिना ठोस कारण के अस्वीकृत न किया जाए, तथा यदि किसी कारणवश आवेदन निरस्त किया जाता है तो संबंधित आवेदक को अस्वीकृति का स्पष्ट कारण अनिवार्य रूप से अवगत कराया जाए। सीईओ ने बैंक, सीएसपीडीसीएल एवं वेंडरों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया. उन्होंने योजना की स्वीकृति, ऋण वितरण (डिस्बर्समेंट) एवं इंस्टॉलेशन की साप्ताहिक समीक्षा निरंतर जारी रखने तथा अनुपस्थित बैंकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने निर्देशित किया गया।

किसानों को पारंपरिक खेती के साथ औषधीय फसलों को अपनाने दिया जोर

खेती-किसानी को बनाएंगे किसानों के लिए लाभदायक-केन्द्रीय कृषिमंत्री.......

रायपुर/ संवाददाता

केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत के किसानों ने अपनी मेहनत और परिश्रम से देश की दिशा और दशा दोनों बदल दी है। वर्तमान में कृषि की विकास दर 4.45 प्रतिशत है, कृषि क्षेत्र में एक-दो प्रतिशत की वृद्धि भी बड़ी मानी जाती है। खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना है तो परम्परागत खेती के अलावा फलों, सब्जियों मसाले एवं औषधि फसलों की खेती के साथ कृषि के उन्नत तकनीक को अपनाना होगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान आज कुम्हारी में किसान मेला में शिरकत करते हुए यहां आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत आज चावल उत्पादन में दुनिया में नंबर वन बन चुका है और चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। देश में 18 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। फल और सब्जी उत्पादन में भी भारत ने रिकॉर्ड तोड़ा है।

सब्जियों की ग्रोथ रेट अद्भुत है और अब लोगों के दैनिक जीवन में फलों की खपत भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा। किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि जीवनदाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। खेती में प्रगति हुई है, लेकिन किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना जरूरी है। इसके लिए परंपरागत खेती के साथ नई तकनीक, उन्नत बीज और फल, फूल, सब्जी एवं औषधीय फसलों की खेती को अपनाना होगा। आज छत्तीसगढ़ में उत्पादित सब्जियां अन्य देश के अन्य राज्यों में भेजी जा रही हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने खेतों में नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि यहां बैंगन की जड़ों पर टमाटर फल रहे हैं तो तीखी मिर्च में शिमला मिर्च उगाई जा रही है। यहां गन्ना, कपास, केला, ब्लूबेरी और ड्रैगन फ्रूट की खेती भी हो रही है। खेतों का दौरा करने के दौरान किसानों ने बताया गया कि धान की परंपरागत खेती में जहां 35 से 40 हजार रुपये की बचत होती है, वहीं सब्जी की खेती से दो लाख रुपये प्रति एकड़ तक शुद्ध लाभ संभव है। किसान मेला में प्रगतिशील किसानों ने हाईटेक मंडी और प्रशिक्षण केंद्र के लिए भूमि की मांग रखी। इस पर मंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नकली खाद और बीज की समस्या पर चिंता जताते हुए बताया कि संसद के आगामी सत्र में सीड एक्ट लाया जाएगा ताकि खराब बीज देने वालों पर कड़ी कार्यवाही हो सके। इसी तरह कीटनाशक (पेस्टिसाइड) कानून भी लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और रिसर्च को सरकार पूरा समर्थन देगी। इस दौरान उन्होंने फरवरी माह में दिल्ली में आयोजित होने वाले कृषि चिंतन शिविर की जानकारी देते हुए सभी प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित किया। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान हैं और सरकार किसानों का साथ कभी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि किसानों की खेती को फायदे की खेती बनाएंगे।

पीएम आवास निर्माण में बलौदाबाजार छत्तीसगढ राज्य में अव्वल

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक आवास योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण बेघर नागरिकों को पक्का मकान प्रदान करना है।इस योजना के तहत कच्चे मकानों में रहने वाले या बिना छत वाले परिवारों को पक्के मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की उपलब्धियों की फेहरिश्त में एक और कामयाबी शुमार हो गया है। जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बलौदाबाजार -भाटापारा जिला पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर है। बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत के नेतृत्व में जिले ने न केवल आवासों की स्वीकृति में तेजी दिखाई है, बल्कि धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में भी रिकॉर्ड कायम किया है। वर्ष 2025-26 में कुल 26843 आवास स्वीकृत किया है जिसमें 24 हजार 313 आवासों को प्रथम किश्त जारी, 20 हजार 480 आवास का निर्माण प्रारम्भ हो गया है और 15 हज़ार 120 आवास प्लिंथ स्तर तक पूर्ण हो गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 15 हजार 120 आवासों का प्लिंथ स्तर तक का कार्य पूर्ण हो चुका है, जो राज्य के किसी भी जिले की तुलना में सर्वाधिक है।26 हजार 439 आवासों का एफ्टीओ किया जा चुका है जिसमें से 24 हजार 313 हितग्राहियों के खातों में पहली किश्त का सफलतापूर्वक हस्तांतरण किया जा चुका है। कुल स्वीकृत आवासों में से 20 हजार 480 मकानों पर काम शुरू हो जाना एवं 139 आवास पूर्ण प्रशासन की मुस्तैदी और ग्रामीणों के उत्साह को दिखाता है। पीएम जनमन योजना अंतर्गत भी जिला में प्राथमिकता से कार्य कराके 25 पात्र हितग्राहियों का आवास स्वीकृत कर सभी का शतप्रतिशत आवास पूर्ण करा लिया गया है।

आयुष्मान कार्ड योजना से मरीजों का इलाज करने से कतरा रहे......

■ 15 सौ करोड़ का भुगतान नहीं होने से निजी चिकित्सकों में रोष

रायपुर। संवाददाता

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से आयुष्मान कार्ड योजना का शुभारंभ गरीब परिवार के मरीजों के लिए किया गया था। किंतु छग शासन में निजी चिकित्सा संस्थानों में मरीजों का इलाज किये जाने के उपरांत भी 15 सौ करोड़ रुपये का भुगतान नहीं होने से अधिकांश चिकित्सा संस्थान के मेडिकल डायरेक्टर एवं वहां कार्यरत चिकित्सक हितग्राही मरीजों का इलाज करने से कतरा रहे है। मिली जानकारी के अनुसार भाजपा प्रवक्ता डॉ विजय शंकर मिश्रा आईएमए अस्पताल बार्ड के अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र शुक्ला एवं आईएमए के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस प्रवक्त डॉ. राकेश गुप्ता के अनुसार मध्यम श्रेणी के अनेक निजी चिकित्सा संस्थान अब आयुष्मान कार्ड योजना से इलाज मरीजों का करने में सक्षम नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्य की अधिकांश आबादी में निवासरत लाखों मरीज समय पर उपचार नहीं मिलने से परेशानी अनुभव कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि आयुष्मान कार्ड योजना संकट से घिर गई है। केंद्र एवं राज्य सरकार को इस विषय में चिकित्सकों की राय में अविलंब ध्यान देकर मरीजों को मिलने वाली राहत की निरंतरता बनाये रखने के लिए त्वरित प्रयास करनी चाहिए। राजधानी के अधिकांश चिकित्सा संस्थान के चिकित्सक पड़ोसी राज्य बीजू पटनायक स्वास्थ्य योजना के तहत जारी किये गये पैकेज को पसंद कर रहे है उक्त पैकेज में जहां मरीजों के लिए दवाई समेत भर्ती दशा में अनेक प्रकार की राहत है वहीं पैकेज में आकर्षक भुगतान होने से चिकित्सा संस्थान भी इलाज करने में रूचि दिखा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों से अस्पताल में की मुलाकात

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठोकने ने कहा

बकरे की अम्मा अब ज्यादा दिनों तक खैर नहीं मना पाएगी

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) घोटाले के आरोपितों की जमानत याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने जो कड़ी टिप्पणी की है, उससे कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के कालिख से सने राजनीतिक चरित्र की बानगी पेश हुई है। श्री ठोकने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तो शर्म महसूस करनी चाहिए कि यह घोटाला उनकी सरकार की संरक्षण में हुआ और

प्रदेश की युवा पीढ़ी के भविष्य से खिलवाड़ करके तत्कालीन भूपेश सरकार ने एक पूरी पीढ़ी को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि हाई कोर्ट ने इस घोटाले के आरोपितों तत्कालीन चेयरमेन टामन सोनवानी, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक उपपरीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर और अन्य आरोपितों की जमानत याचिका को इस टिप्पणी के साथ खारिज किया है कि घोटालेबाजों ने ऐसा कार्य किया है, जो हत्या से भी अधिक जघन्य अपराध है। यह मामला 'बाड़ ही खेत को खा रही है' का स्पष्ट उदाहरण है। परीक्षा प्रक्रिया में जिम्मेदार व्यक्तियों ने गोपनीयता और पवित्रता बनाए रखने में गंभीर लापरवाही बरती है। श्री ठोकने कहा कि सीजीपीएससी ने 2020-2022 के बीच परीक्षा आयोजित की थी।

कुरुषनार में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बनेगा अतिरिक्त कक्ष

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज अबुझमाड़ क्षेत्र के ग्राम कुरुषनार स्थित बालक आश्रम पहुंचकर छात्रों से रूबरू हुए आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों की मांग पर यहां अतिरिक्त कक्ष निर्माण की स्वीकृति प्रदान की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यहां उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। इस मौके पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि कहा आप सभी खूब पढ़ाई करें और अपने माता पिता सहित देश प्रदेश का नाम गौरव करें। उन्होंने आश्रम में रहने वाले विद्यार्थी रामजी से कहा की आप पढ़ लिखकर क्या बनना चाहते हैं तब रामजी ने कहा की मैं बड़ा होकर शिक्षक बनना चाहता हूँ। तब मुख्यमंत्री ने उनकी प्रशंसा की और मेहनत से पढ़ाई करने की समझाइश दी। इसी तरह छात्र सोप सिंह ने मुख्यमंत्री को पहाड़ा सुनाया। स्कूली बच्चों से संवाद के दौरान कक्षा दूसरी में पढ़ने वाला आदित्य ने मुख्यमंत्री से पूछा आपको स्कूल जाने में कैसा लगता था?

सुदूर वनांचलों को मिली कनेक्टिविटी की नई ताकत

रायपुर। राज्य के दूरस्थ और सीमांत जनजातीय अंचलों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री बस सेवा अब नारायणपुर जिले में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले के प्रवास के दौरान कुरूसनार से लगभग 4 किमी तक ग्रामीणों के साथ बस में यात्रा की। मुख्यमंत्री का बस सेवा से सफर करना इस योजना की विश्वसनीयता और जनोन्मुखी सोच को रेखांकित करता है। उन्होंने अपने सह यात्रियों से अब इस नक्सल प्रभावित इलाके में बस सेवा शुरू होने से हुए फायदों के बारे में भी ग्रामीणों से पूछा। मुख्यमंत्री का यह दौरा और बस सेवा से किया जाने वाला सफर नारायणपुर जिले में विकास, विश्वास और सुशासन की दिशा में एक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान में नारायणपुर जिले में मुख्यमंत्री बस सेवा के अंतर्गत चार बसें संचालित की जा रही हैं, जिनमें से तीन बसें नियद नेल्ला नार मार्गों पर नियमित परिवहन सेवाएं प्रदान कर रही हैं। ये बसें उन क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं, जो बीते एक दशक से माओवादी उग्रवाद के कारण सार्वजनिक परिवहन से लगभग वंचित रहे थे। पहला मार्ग नारायणपुर-नेलंगूर का है, जिसके अंतर्गत डूमरतराई, कुकडाझोर, आंकाबेडा, कस्तूरमेटा, मोहंदी, कोडलियार, कुतूल, बेडमाकोटी तथा नेलंगूर ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं। दूसरा मार्ग नारायणपुर-कुतूल का है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे छत्तीसगढ़ के ग्राम गिरहोला एवं खपरी

खेत भ्रमण,पौधरोपण और किसानो से किया संवाद

■ धान से बागवानी की ओर बढ़ते किसान, ड्रोन-डिजिटल खेती और योजनाओं पर मंत्री का फोकस

रायपुर/ संवाददाता

केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दुर्ग जिले के ग्राम गिरहोला एवं खपरी पहुंचे। उन्होंने खेत भ्रमण, वृक्षारोपण तथा किसान संवाद कार्यक्रमों में भाग लिया। केन्द्रीय मंत्री ने इस दौरान किसानों से सीधा संवाद कर आधुनिक कृषि तकनीकों, केंद्र सरकार की योजनाओं और किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ग्राम गिरहोला में आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालीन आर्थिक लाभ का भी स्रोत बन सकता है। वृक्षारोपण के पश्चात् केंद्रीय मंत्री ने यहां उन्होंने कृषि फार्मों में अपनाई जा रही नवीन खेती तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं उत्पादन पद्धतियों का गहन अवलोकन किया। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने स्थानीय किसानों से बातचीत की और

बागवानी फसलों में आ रही समस्याओं के समाधान पर मार्गदर्शन दिया। किसानों ने भी अपने अनुभव, सुझाव एवं चुनौतियां साझा कीं, जिन पर केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान, ग्राम खपरी के अनिल कृषि फार्म पहुंचे, जहां उन्होंने खेतों का निरीक्षण किया और स्थानीय किसानों से संवाद किया। खपरी में आयोजित बैठक में किसानों एवं अधिकारियों के साथ कृषि संबंधी समस्याओं, उत्पादन लागत, विपणन एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। किसान चौपाल में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सर्वप्रथम प्रगतिशील किसानों को बधाई दी। उन्होंने किसानों से संवाद की शुरुआत करते हुए पूछा कि पहले कौन-सी खेती की जाती थी, उससे कितना लाभ होता था और अब बागवानी खेती से कितना फायदा हो रहा है। किसानों ने बताया कि धान की पारंपरिक खेती की तुलना में बागवानी फसलों से अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। इस पर मंत्री श्री चौहान ने फसल विविधीकरण को समय की आवश्यकता बताते हुए अन्य किसानों को भी बागवानी एवं आधुनिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। किसान संवाद के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना-छोटे एवं सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष लाभांतरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना-प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की सुरक्षा, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-कृषि नवाचार एवं उत्पादन वृद्धि, डिजिटल कृषि मिशन-तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा।

संपादकीय

आवारा कुत्ते, आखिर क्या है समस्या का हल?

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट में रखी जा रही दलीलों से अभी कोई नतीजा भले नहीं निकला हो, लेकिन अदालत ने इस समस्या का ठोस हल निकालने का साफ संदेश दिया है। इसके बरक्स कुछ लोगों को पशुओं के प्रति संवेदनहीनता दर्शाने और कानूनों को ताक पर रखने में हिचक नहीं हो रही है, तो यह मानवीय संवेदना और समझ पर एक सवालिया निशान है। अगर आवारा कुत्तों की वजह से कोई समस्या पैदा हो रही है, तो उससे बचाव के लिए उचित उपाय निकालने के लिए सरकार से मांग करने और अपने स्तर पर भी सावधानी बरतने की जरूरत है। इसके बजाय अगर कुछ लोगों को कुत्तों को मार डालने जैसे क्रूर रास्ते अपनाना सही लग रहा है, तो यह एक बेहद अफसोसनाक स्थिति है। गौरतलब है कि तेलंगाना के याचाराम गांव में बुधवार को कुछ लोगों ने कम से कम सौ कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला।

पुलिस के मुताबिक, ताजा घटना इस महीने तेलंगाना के कई जिलों में अब तक लगभग पांच सौ आवारा कुत्तों को मार डालने के बाद सामने आई है। यह समझना मुश्किल है कि आवारा कुत्तों के टीकाकरण, बंध्याकरण और उन्हें अनुकूल पर्यावास मुहैया कराने के लिए सरकार से जरूरी कदम उठाने की मांग करने के बजाय लोगों को मानवीय संवेदना के न्यूनतम तकाजों को भी ताक पर रखना क्यों जरूरी लग रहा है। ऐसे लोगों को संभवतः पशु क्रूरता निवारण से जुड़े कानून की भी कोई फिक्र नहीं है, जो जानवरों को अनावश्यक दर्द पहुंचाने और पीड़ा देने से रोकता है और इसका उल्लंघन करने वालों के लिए दंड का प्रावधान करता है। विडंबना यह है कि आवारा कुत्तों के काटने या इससे जुड़ी अन्य समस्याओं पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद सरकारें रिहायशी इलाकों से उन्हें हटाने या इस समस्या का हल निकालने को लेकर ज्यादा संवेदनशील नहीं दिखतीं। आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनके आक्रामक होते जाने पर पहले ही उपाय कर लिए जाते, तो यह समस्या आज इतनी गंभीर नहीं होती, जितनी दिख रही है। कुत्तों के काटने से उपजे जोखिम से इनकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि मनुष्य अपनी बुनियादी संवेदनाओं को भी छोड़ दे।

गाजा बोर्ड ऑफ पीस की वैश्विक कशमकश

गाजा बोर्ड ऑफ पीस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गाजा संघर्ष को सुलझाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना का एक नया मॉडल प्रस्तुत करती है। चूंकि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र संघ के पारंपरिक ढांचे से बाहर काम करने का अदद प्रयास है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई बहस छिड़ गई है। खासकर वैश्विक कशमकश बढ़ चुकी है, जिसके वैश्विक प्रभाव आने वाले वक्त में महसूस किए जाएंगे। सवाल है कि आखिर अपनी ही बनाई पुरानी विश्व व्यवस्था की अनदेखी करते हुए अमेरिका बिल्कुल नई तरह की विश्व व्यवस्था क्यों बनाना चाहता है? ब्रेक के बाद वह अपनी ही नीतियों को क्यों बदल देता है।

(कमलेश पांडे)

अलबत्ता, गाजा बोर्ड ऑफ पीस इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है।

गाजा बोर्ड ऑफ पीस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गाजा संघर्ष को सुलझाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना का एक नया मॉडल प्रस्तुत करती है। चूंकि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र संघ के पारंपरिक ढांचे से बाहर काम करने का अदद प्रयास है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई बहस छिड़ गई है। खासकर वैश्विक कशमकश बढ़ चुकी है, जिसके वैश्विक प्रभाव आने वाले वक्त में महसूस किए जाएंगे।

सवाल है कि आखिर अपनी ही बनाई पुरानी विश्व व्यवस्था की अनदेखी करते हुए अमेरिका बिल्कुल नई तरह की विश्व व्यवस्था क्यों बनाना चाहता है? ब्रेक के बाद वह अपनी ही नीतियों को क्यों बदल देता है। आखिर वह शेष दुनिया को अमेरिकी मुगालते में क्यों रखना चाहता है? आखिर चीन, रूस, भारत, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन जैसे कद्दावर देश ऐसे पीस बोर्ड से दूरी क्यों बनाए हुए हैं? खास बात यह कि आखिर गाजा बोर्ड ऑफ पीस के अंतर्राष्ट्रीय मायने क्या हैं? और इसके पीछे के वैश्विक निहितार्थ से किसको क्या फायदा और क्षति होने के कयास लगाये जा रहे हैं?

आइए सबसे पहले इस बोर्ड के स्वरूप को जान लेते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 2025 में इसकी शुरुआत की, जहां खुद ही वे ही यानी पदेन अमेरिकी राष्ट्रपति इसके प्रमुख होंगे और अन्य सदस्य देश तीन-तीन साल के लिए चुने जाएंगे। वहीं, इसकी स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर का योगदान जरूरी है, जबकि कार्यकारी बोर्ड में मार्को रुबियो, जेरेड कुशनर जैसे नाम शामिल हैं। यह बोर्ड गाजा के पुनर्निर्माण, प्रशासन और क्षेत्रीय समन्वय पर केंद्रित है।

अलबत्ता, इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। खास बात यह है कि भारत जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी ने फिलिस्तीन समर्थन और यूएन-आधारित दो-राज्य समाधान की नीति के चलते अभी इस पर चुप्पी साध रखी है।

जहां तक गाजा पीस बोर्ड के भविष्य के निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड यूएनएससी के समानांतर वैकल्पिक तंत्र बन सकता है, जो वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। क्योंकि इसे यूएनओ ने 2027 तक सीमित मान्यता दी है, लेकिन रूस-चीन की असहमति से विवाद बढ़ा है। जबकि भारत जैसे उभरते गुटनिरपेक्ष देशों के लिए यह कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा की घड़ी है। यही वजह है कि गाजा बोर्ड ऑफ पीस की अंतराष्ट्रीय वैधता सीमित और विवादास्पद बनी हुई है,

क्योंकि यह यूएनएससी प्रस्ताव 2803 (2025) से 2027 तक की अस्थायी मंजूरी पर टिकी है। देखा गया कि रूस-चीन जैसे देशों की असहमति से इसकी वैश्विक स्वीकार्यता कमजोर है, जो अंतराष्ट्रीय कानून पर सवाल उठाती है। जहां तक इसकी वैधता के आधार की बात है तो यूएनएससी ने इसे गाजा पुनर्निर्माण और विसैन्यीकरण के लिए अंतरिम वैधता प्रदान की, लेकिन यूएनओ के पूर्ण नियंत्रण के बिना। मसलन, बोर्ड को अंतराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व दिया गया, जो फिलिस्तीनी तकनीशियनों की समिति और बहुराष्ट्रीय शांति बल के माध्यम से कार्य करता है। हालांकि, सदस्य चयन और जवाबदेही की कमी से इसकी आलोचना भी हो रही है।

जहां तक गाजा पीस बोर्ड के संभावित प्रभाव की बात है तो यह यूएनओ के समानांतर तंत्र के रूप में यूएनओ की एकाधिकार को चुनौती दे सकता है, खासकर वैश्विक संघर्षों में। वहीं, ट्रंप की आजीवन अध्यक्षता जैसी संरचना से लंबे समय में वैधता संकट गहरा सकता है। जबकि भारत जैसे देशों की चुप्पी से बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर बहस तेज हो रही है। कहना न होगा कि रूस और चीन का गाजा बोर्ड ऑफ पीस में असहयोग अंतराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को कमजोर करता है, लेकिन बोर्ड की वैधता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता।

दरअसल यह असहमति बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है और वैकल्पिक गठबंधनों को बढ़ावा दे सकती है। जहां तक इस बोर्ड के कानूनी आधार की बात है तो रूस-चीन ने बोर्ड को यूएन चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत शक्ति राजनीति का माध्यम बताकर खारिज किया, जो क्षेत्रीय संप्रभुता के हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करता है। यूएनएससी प्रस्ताव 2803 की अस्थायी मंजूरी के बावजूद, इनकी वीटो शक्ति से स्थायी वैधता अवरुद्ध हो सकती है।

जहां तक गाजा पीस बोर्ड के अंतराष्ट्रीय निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड को सॉफ्ट पावर तंत्र तक सीमित रखेगा, जहां अमेरिकी प्रभाव वाले देश ही मान्यता देंगे। जबकि लंबे समय में, यह अंतराष्ट्रीय न्यायालय में चुनौतियां जन्म दे सकता है, जैसे फिलिस्तीन या प्रभावित देशों द्वारा ढ्ढष्टछ्व में अपील पहल संभव है। वहीं, भारत जैसे तटस्थ देशों को भी अतिरिक्त कूटनीतिक दबाव झेलना पड़ेगा।

देखा जाए तो भारत गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर रणनीतिक चुप्पी अपनाए हुए है, जो बहुपक्षीय संस्थाओं को प्राथमिकता और संतुलित कूटनीति को दर्शाता है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ मजबूत संबंधों और यूएन सुधारों पर जोर को अधिक संतुलित करता है। दरअसल भारत की चुप्पी के कारण हैं, क्योंकि वह डांवांडोल अमेरिकी कूटनीति पर ज्यादा एतबार नहीं कर सकता है। भारत के साथ अमेरिकी नीतिगत चालबाजी के चलते ही इंडिया ने दावोस 2026 में गाजा बोर्ड ऑफ पीस के लॉन्च में भाग नहीं लिया, क्योंकि यह यूएन प्रस्तावों पर आधारित दो-राज्य समाधान से भटकता दिखता है।

चूंकि पीएम मोदी ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत जैसे जी-फोर (जी4) देशों के साथ यूएनएससी विस्तार पर फोकस कर रहे हैं, न कि अमेरिकी वैकल्पिक तंत्र पर। इसलिए भी भारत ने इससे दूरी दिखाई है। इसके अलावा, इस बोर्ड में अमेरिकी पिछ्ले पाकिस्तान की भागीदारी से भी भारत को क्षेत्रीय संतुलन की चिंता है। इसलिए भारत भविष्य की रणनीति पर बल दे रहा है। अपनी इसी कूटनीति के तहत भारत यूएन सुधारों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करेगा, और गाजा बोर्ड ऑफ पीस को अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी में रखेगा। वहीं, यदि यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों में विस्तार चाहेगा, तो भारत तटस्थता बनाए रखकर आईसीजे या यूएन मंचों पर सक्रिय हो सकता है। इसप्रकार भारत की यह रणनीतिक स्वायत्तता वाली नीति उसकी लंबी परंपरा को मजबूत करती है।

कुलमिलाकर भारत की गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर चुप्पी रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीय कूटनीति को मजबूत करने की नीति का हिस्सा है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ सैन्य सहयोग और अमेरिकी दबाव से संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाया गया है। जहाँ तक ऐतिहासिक फिलिस्तीन नीति की बात है तो भारत ने 1947 से फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय और दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है, जो यूएन प्रस्तावों पर आधारित है। जबकि ट्रंप का यह बोर्ड यूएन ढांचे से बाहर होने के चलते भारत ने इसका खुला समर्थन टाल दिया, ताकि ग्लोबल साउथ में विश्वसनीयता बनी रहे। इससे इसराइल-अमेरिका संतुलन भी बना रहेगा।

चूंकि इसराइल के साथ रक्षा सौदे (जैसे स्पाइस मिसाइलें) और अमेरिका से तकनीकी सहयोग महत्वपूर्ण हैं, लेकिन बोर्ड में पाकिस्तान की मौजूदगी से क्षेत्रीय जोखिम बढ़ता है। लिहाजा भारत की चुप्पी कूटनीतिक लचीलापन देती है, जहां भारत मानवीय सहायता जारी रख सकता है बिना राजनीतिक बंधन के। वहीं भारत यूएन सुधार पर फोकस कर रहा है, जहां पीएम मोदी जी4 (भारत-ब्राजील-जर्मनी-जापान) के साथ यूएनएससी विस्तार पर जोर दे रहे हैं, न कि वैकल्पिक तंत्रों पर। इसप्रकार यह देखो और इंतजार करो रणनीति बोर्ड की वैधता की परीक्षा के बाद निर्णय लेगी।

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई

(ललित गर्ग)

नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस

बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें।

इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है।

यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है- आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है-बालिका।

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी ज़ज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते।

(प्रो. संजय द्विवेदी)

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना। आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी ज़ज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।

आकांक्षावान भारत का उदय- भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछ्ले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गई हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं। कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नज़र आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए।

अंतिम आदमी का कीजिए विचार- गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं। हमें सोचना होगा कि गणतंत्र के इन वर्षों में उस आखिरी आदमी के लिए हम कितनी जगह और कितनी संवेदना बना पाए हैं। प्रगति और विकास के सूचकांक तभी सार्थक हैं, जब वे आम आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने में समर्थ हों। क्या ऐसा कुछ बताने और कहने के लिए हमारे पास है? यदि नहीं...तो अभी भी समय है भारत को महाशक्ति बनाना है, तो वह हर भारतीय की भागीदारी से ही सच होने वाला सपना है। देश के तमाम वंचित लोगों को छोड़कर हम अपने सपनों को सच नहीं कर सकते।

तलाशिए सवालों के जवाब

गणतंत्र दिवस इन तमाम सवालों के जवाब खोजने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। बीते समय में आतंकवाद, नक्सलवाद, क्षेत्रीयता की तमाम गंभीर चुनौतियों के सामने हमारा तंत्र बहुत बेबस दिखा। बावजूद इसके लोकतंत्र में जनता की आस्था बची और बनी हुयी है। हमारी एकता को तोड़ने और मन को तोड़ने के तमाम प्रयासों के बावजूद आम हिंदुस्तानी अपनी समूची निष्ठा से इस देश को एक देखना चाहता है। यह संकल्प लेना होगा कि हम लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को जगा पाएं। उनकी उम्मीदों पर अवसाद की परतें न चढ़ने दें। सपनों में रंग भरने की हिम्मत, ताकत और जोश से भरा हो- आम हिंदुस्तानी तो इसी सपने को सच होते हुए देखना चाहता है। यह संयोग ही है कि नया साल और गणतंत्र दिवस हम एक ही महीने जनवरी में मनाते हैं। जाहिर तौर पर हर नए साल का मतलब कलैंडर का बदलना भर नहीं है वह उत्सव है संकल्प का, अपने गणतंत्र में तेज भरने का। आम आदमी में जो भरोसा टूटता दिखता है उसे जोड़ने का। गणतंत्र को तोड़ने या कमजोर करने में लगी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेरने का। जनवरी का महीना इसीलिए बहुत खास है क्योंकि यह महीना देश की अस्मिता को पहली बार झकझोर कर जगाने वाले सन्यासी विवेकानंद की जन्मतिथि(12 जनवरी) का महीना है। जिन्होंने पहली बार भारत के दर्शन को विश्वमंच पर मान्यता ही नहीं दिलायी हमारे दबे-कुचले आत्मविश्वास को जागृत किया। यह महीना है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) का जिन्होंने विदेशी सत्ता के दांत खट्टे कर दिए और विदेशी भूमि पर भारतीयों के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सेना खड़ी की। जाहिर तौर पर यह महीना सही संकल्पों और महानायकों की याद का महीना है। इससे हमें प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की जरूरत है। नए साल का सूरज हमें एक नयी रोशनी दे रहा है उसका उजास हमें नई दृष्टि दे रहा है। क्या हम इस रोशनी से सबक लेकर, अपने महानायकों की याद को बचाने और देश को महाशक्ति बनाने के सपने के साथ खड़ा होने का हौसला दिखाएंगें? (लेखक अध्यक्ष, जनसंचार विभाग,माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय है)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मुख्यमंत्री साय ने किया बस सेवा से कुरूषनार तक का सफर

सीमांत अंचलों को मिली कनेक्टिविटी की नई ताकत

नारायणपुर। राज्य के दूरस्थ और सीमांत जनजातीय अंचलों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई है। मुख्यमंत्री बस सेवा अब नारायणपुर जिले में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। इसी सेवा के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारायणपुर जिले के प्रवास के दौरान 30 जनवरी को कुरूषनार तक बस से यात्रा किया। मुख्यमंत्री का बस सेवा से सफर करना इस योजना की विश्वसनीयता और जनोन्मुखी सोच को रेखांकित करता है। वर्तमान में नारायणपुर जिले में मुख्यमंत्री बस सेवा के अंतर्गत चार बसें संचालित की जा रही हैं, जिनमें से तीन बसें नियद नेल्ला नार मार्गों पर नियमित परिवहन सेवाएं प्रदान कर रही हैं। ये बसें उन क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं, जो बीते एक दशक से माओवादी उग्रवाद के कारण सार्वजनिक परिवहन से लगभग वंचित रहे थे। पहला मार्ग नारायणपुर-नेलंगूर का है, जिसके अंतर्गत डूमरतराई, कुकडाझोर, आंकाबेडा, कस्तूरमेटा, मोहंदी, कोडलियार, कुत्तूल, बेडमाकोटी तथा नेलंगूर ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं। दूसरा मार्ग नारायणपुर-कुतूल का है, जिसमें कच्चापाल, कोडलियार एवं कुतूल के साथ कुरूषनार, बासिंग, कुन्दला, कोहकामेटा और इरकभट्टी ग्रामों को परिवहन सुविधा मिल रही है। तीसरा मार्ग नारायणपुर-गारपा का है, जिससे कुरूषनार, बासिंग, कुन्दला, सोनपुर, मसपुर और होरादी ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं। यह बस सेवा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत संचालित की जा रही है, जिसमें संचालन की जिम्मेदारी एक निजी बस ऑपरेटर को सौंपी गई है, जबकि शासन द्वारा मार्ग निर्धारण और निगरानी की जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सीमांत जनजातीय समुदायों को विश्वसनीय, सुलभ और सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना, सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र में आवागमन और कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री बस सेवा से कुरूषनार पहुंचकर वहां सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान का अवलोकन, विद्यालय में बच्चों से भेंट तथा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को राशि वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री का यह दौरा और बस सेवा से किया जाने वाला सफर नारायणपुर जिले में विकास, विश्वास और सुशासन की दिशा में एक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत कराया गया 2 दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता

कोण्डागांव। कोण्डागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा (भा0पु0से0) के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस)मर्दापाल सतीश भार्गव के मार्गदर्शन में सायबर जागरूकता एवं नए कानूनों के संबंध लोगों को जागरूक करने के साथ खेल के माध्यम से आम ग्रामीणों व पुलिस के बीच मधुर संबंध स्थापित करने एवं सहयोग की भावना उत्पन्न करने हेतु अतिसंवेदनशील क्षेत्र थाना मर्दापाल के ग्राम छोटे उसरी में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत 02 दिवसीय दिनांक 28-01-2026 से दिनांक 29-01-2026 तक वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त बॉलीबाल प्रतियोगिता में थाना मर्दापाल क्षेत्र के ग्राम छोटे उसरी, मर्दापाल, हसलनार, राणापाल, नवागांव, हथकली, जोड़ेंगा, चांगेर, मुलनार, कांगा, बादालूर, कुरूषनार, पुसपाल एवं ओड़ेगा के ग्रामीण, नवयुवक प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो दिवस प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों एवं आम ग्रामीणों को पुलिस विभाग की ओर से भोजन कराया गया। कोंडागांव जिला पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग अभियान के तहत आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में ग्राम छोटे उसरी एवं आसपास के क्षेत्रों की 16 टीमों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का समापन 29 जनवरी को हुआ, जिसमें ग्राम पुसपाल एवं नवागांव के मध्य फाईनल का मुकाबला खेला गया। जिसमें प्रथम स्थान पर ग्राम पुसपाल एवं द्वितीय स्थान पर ग्राम नवागांव की टीम रही।विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

धान खरीदी की अव्यवस्था पर भानुप्रतापपुर में कांग्रेस का हल्लाबोल, विधायक के नेतृत्व में चक्काजाम

भानुप्रतापपुर। प्रदेश में धान खरीदी की अव्यवस्था और किसानों को हो रही परेशानियों के विरोध में कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपना लिया है। शुक्रवार को भानुप्रतापपुर में विधायक सावित्री मंडावी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील बबला पाढ़ी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नगर के कांकेर मार्ग पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और चक्काजाम कर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन के पश्चात महामहिम राज्यपाल के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गंगाधर वाहिले को एक ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण अन्नदाता आज दाने-दाने को मोहताज हो रहा है। कांग्रेसियों ने धान खरीदी की प्रक्रिया में आई जटिलताओं को लेकर सरकार को घेरा और विभिन्न बिंदुओं पर आपत्ति जताई, रकबा कटौती और टोकन की मार किसानों का पंजीकृत रकबा कम कर दिया गया है। टोकन के लिए किसानों को हफ्तों तक भटकना पड़ रहा है। बायोमेट्रिक की अनिवार्यता बिना किसी पूर्व सूचना या प्रचार के बायोमेट्रिक सिस्टम लागू करने से हजारों किसान तकनीकी दिक्कतों के कारण धान नहीं बेच पा रहे हैं। सत्यापन के नाम पर उत्पीड़न गिरदावरी होने के बावजूद किसानों के घरों पर जाकर दोबारा भौतिक सत्यापन करने को कांग्रेस ने किसानों का अपमान बताया है। वनाधिकार पट्टाधारी किसान उपेक्षित क्षेत्र के लगभग 5,000 पट्टाधारी किसान समय-सीमा समाप्त होने के कारण अपना धान बेचने से वंचित रह गए हैं।

मनरेगा से 'गांधी' का नाम हटाने पर आक्रोश – धान खरीदी के अलावा कांग्रेस ने मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम विलोपित करने की केंद्र सरकार की कथित कोशिशों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और राष्ट्रपिता के सम्मान पर प्रहार बताते हुए पंचायतों के अधिकार छीनने को लोकतंत्र विरोधी कदम बताया।

सौपे गए ज्ञापन में प्रमुख मांग – धान खरीदी की समय-सीमाः छूटे हुए किसानों के लिए खरीदी की अंतिम तिथि को तत्काल आगे बढ़ाया जाए। मनरेगा का नाम योजना का नाम अपरिवर्तित रखा जाए और गांधी जी का नाम न हटाया जाए। रोजगार गारंटी के मजदूरों को 400 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी दी जाए। ग्राम पंचायतों के अधिकारों में की जा रही कटौती को तुरंत बंद किया जाए।

गढ़बेंगाल घोटुल में गूंजी मांदरी की थाप

मुख्यमंत्री साय ने आदिवासी संस्कृति और नक्काशी की बारीकियों को सराहा

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नारायणपुर प्रवास के दौरान 'गढ़बेंगाल घोटुल' पहुँचकर बस्तर की गौरवशाली परंपराओं और लोक-संस्कृति के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि और ग्रामीणों के आत्मीय स्वागत के बीच मुख्यमंत्री स्वयं लोक-रंग में रंगे नजर आए। इस दौरान उन्होंने घोटुल की अनूठी स्थापत्य कला का अवलोकन किया और बस्तर की विभूतियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इको-फ्रेंडली घोटुल : आदिवासी वास्तुकला का जीवंत उदाहरण

वन विभाग और पद्मश्री पंडीराम मंडावी के मार्गदर्शन में निर्मित यह घोटुल पूर्णतः इको-फ्रेंडली (लकड़ी, मिट्टी और बांस) सामग्री से बना है। मुख्यमंत्री ने घोटुल के खंभों पर की गई सूक्ष्म नक्काशी की मुक्तकंठ से प्रशंसा की, जिसे स्वयं पद्मश्री पंडीराम मंडावी ने उकेरा है।

मुख्यमंत्री ने घोटुल परिसर के विभिन्न कक्षों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया : लेय्योर एवं लेयोस्क कुरमा : युवाओं और युवतियों के लिए निर्मित अलग-अलग कक्ष।

बिडार कुरमा : पारंपरिक वेशभूषा, प्राचीन वाद्ययंत्र एवं सांस्कृतिक सामग्रियों का संग्रह।

सगा कुरमा : यहाँ मुख्यमंत्री ने बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेकर क्षेत्र की खान-पान संस्कृति का सम्मान किया।

बस्तर की विभूतियों और 'टाइगर बॉय' के परिजनों से आत्मीय भेंट – मुख्यमंत्री ने इस प्रवास को केवल एक औपचारिक दौरा न रखते हुए इसे एक आत्मीय मिलन का रूप दिया। क्षेत्र की महान प्रतिभाओं– वैद्यराज पद्मश्री हेमचंद मांझी, पद्मश्री पंडीराम मंडावी और सुप्रसिद्ध लोककलाकार बुटलू राम से भेंट कर उनका सम्मान किया।

संस्कार केंद्र के रूप में घोटुल का पुनरुद्धार – मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि घोटुल प्राचीन काल से ही आदिवासी समाज के लिए 'शैक्षणिक एवं संस्कार केंद्र' रहा है। चेंद्रु पार्क के समीप स्थित यह आधुनिक घोटुल न केवल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ेगा, बल्कि देश-दुनिया के पर्यटकों को भी आदिवासी जीवनशैली और सामाजिक व्यवस्था से परिचित कराने का सशक्त माध्यम बनेगा। गढ़बेंगाल का यह घोटुल हमारी गौरवशाली विरासत को सहेजने का प्रतीक है। हमारी सरकार बस्तर की इस अनूठी संस्कृति, परंपरा और ज्ञान को संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्य आकर्षण

नक्काशी : मुख्य द्वार और खंभों पर आदिवासी कला की बारीक कारीगरी।

सांस्कृतिक जुड़ाव : पारंपरिक लोक नृत्यों के साथ मुख्यमंत्री का भव्य अभिनंदन।

विरासत का संरक्षण : आदिवासी ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रभावी प्रयास।

आप में बड़ा फेरबदल: देवलाल नरेटी बने नए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटी आम आदमी पार्टी ने संगठन के स्तर पर एक बड़ा बदलाव किया है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने कांकेर जिले के सक्रिय नेता और जिला पंचायत सदस्य देवलाल नरेटी को 'कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष' के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी है।

गोपाल साहू के इस्तीफे के बाद फैसला – यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू के अपने पद से इस्तीफा देने के बाद की गई है। माना जा रहा है कि पार्टी राज्य में नेतृत्व की रिक्तता को जल्द भरकर आगामी राजनैतिक चुनौतियों के लिए संगठन को नए सिरे से तैयार करना चाहती है।

कौन हैं देवलाल नरेटी – नरेटी वर्तमान में कांकेर जिले से जिला पंचायत सदस्य हैं। उन्हें बस्तर और आसपास के क्षेत्रों में पार्टी के एक ऊर्जावान और जमीन से जुड़े नेता के रूप में जाना जाता है। क्षेत्रीय राजनीति और आदिवासी समाज के बीच उनकी पकड़ पार्टी के लिए रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संगठन में नई ऊर्जा की उम्मीद – राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नरेटी को कमान सौंपकर 'आप' ने स्थानीय और जमीनी नेतृत्व को आगे बढ़ाने का संदेश दिया है। इस नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि नरेटी के अनुभव और सक्रियता से प्रदेश में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

सरस्वती सायकल वितरण योजना से संवरी छात्राओं की राह

सुकमा। सुकमा जिले के विकासखंड कुकानार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुकानार में आज राज्य शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती सायकल वितरण योजना के अंतर्गत एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत 17 छात्राओं को निःशुल्क सायकल प्रदान की गई, जिससे उनके शैक्षणिक सफर को नई गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चित्रकोट विधायक विनायक गोयल उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को सायकल प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

शिक्षा से ही सशक्त होगा भविष्य – विनायक गोयल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विनायक गोयल ने कहा कि सरस्वती सायकल वितरण योजना राज्य सरकार की एक अत्यंत सराहनीय और दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों–विशेषकर बालिकाओं–को शिक्षा से जोड़े रखना है। उन्होंने कहा कि सायकल मिलने से छात्राओं की विद्यालय तक पहुँच आसान होगी, समय की बचत होगी और नियमित उपस्थिति के साथ-साथ पढ़ाई के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ेगा।

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आगे बढ़ें छात्र – विधायक गोयल ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत नींव है। आज सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाकर बच्चों को पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन करना चाहिए, ताकि वे भविष्य में अपने माता-पिता, गांव और जिले का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने शिक्षकों से भी विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देने और उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष आयता मण्डावी, जिला पंचायत सदस्य रैतुराम बघेल, उपेंद्र सिंह चौहान, जनपद उपाध्यक्ष हरिप्रसाद कश्यप, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हिरमा कुंजाम, नन्दा मण्डावी, मुन्नु सिंह, जलन कश्यप, सिताराम नाग, संजय भदौरिया, सुरेश चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन छात्राओं के उत्साह, मुस्कान और शिक्षा के प्रति नई उम्मीदों के साथ हुआ।

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन दो पाली में किया जाएगा, जिसमें प्रथम पाली सुबह 9.30 से 12.15 बजे तक तथा द्वितीय पाली 3 से 5.45 बजे तक समय निर्धारित है। प्रथम पाली में (प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) लगभग 01 लाख 19 हजार तथा द्वितीय पाली में (माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) लगभग 02 लाख 05 हजार अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। जिले में परीक्षा के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोया ने छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा परीक्षा के संबंध में जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कोण्डागांव जिले से प्रथम पाली में 2840 और द्वितीय पाली में 4108 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा के आयोजन हेतु जिले में प्रथम पाली हेतु 10 परीक्षा केन्द्र एवं द्वितीय पाली हेतु 16 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन करने को कहा गया है ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम-से-कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा।चूंकि यह परीक्षा प्रातः 09.30 बजे से प्रारंभ हो रहा है अतः मुख्य द्वार प्रात 09.00 बजे बंद कर दिया जावेगा।

द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 03:00

'राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा और विधायक लता उसेंडी ने किया लोकार्पण'

कोण्डागांव। कोंडागांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिपावंड में महतारी सदन भवन का लोकार्पण आज राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा और बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने लोकार्पण किया। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. लकड़ा ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टाल का अवलोकन किया और हितग्राहियों को सामग्री का भी वितरण किया। कार्यक्रम में 10 लाख रुपए की लागत के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना की शुरुआत की है। इसी जनजातीय दिवस की शुरुआत कर प्रकार जनजातीय समाज के गौरव को बढ़ाया है। उन्होंने जिले की शिल्पकला की सराहना करते हुए कहा कि कोंडागांव का हुनर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। विधायक लता उसेंडी ने कहा कि नई योजना विकसित भारत जीरामजी के उद्देश्य और लाभ के बारे में बताया। नए महतारी सदन भवन के लोकार्पण पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है, जिसमें महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारायणपुर से जारी किया महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा आज जिला नारायणपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त की राशि जारी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश की 68 लाख 39 हजार 592 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 641 करोड़ 34 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना का शुभारंभ 1 मार्च 2024 को किया गया था। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 21 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु की विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। योजना के शुभारंभ से अब तक 23 किस्तों के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को कुल 14 हजार 954.42 करोड़ रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। यह व्यवस्था वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 24वीं किस्त के रूप में 641.34 करोड़ रुपए की राशि जारी किए जाने के पश्चात महतारी वंदन योजना के अंतर्गत कुल वितरित राशि बढ़कर 15 हजार 595.77 करोड़ रुपए हो जाएगी। यह राज्य सरकार की महिला कल्याण एवं सशक्तिकरण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा यह प्रमाणित करती है कि योजना से प्रदेश की लाखों महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रही हैं। नारायणपुर जिले में महतारी हितग्राहियों की संख्या 27हजार 272 है। इन हितग्राहियों के खातों में 2 करोड़ 72 लाख 72 हजार रुपए अंतरित किया गया।

एसआई आर 2026 के तहत नगरपालिका किरंदुल में सत्यापन करने पहुंच रहे मतदाता

किरंदुल। एसआईआर विशेष गहन पुनिरिक्षण 2026 के तहत मतदाताओं के के द्वारा 2003 में परिवार सदस्यों के साथ मैपिंग किया गया जिसमें maping के तहत कुछ मतदाताओं के मैप नहीं हो पाया था जिसे नोटिस जारी किया जिस के तहत दस्तावेजों के सत्यापन हेतु नगर पालिका किरंदुल में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं बूथ लेवल ऑफिसर के पास अपना मतदाता सूची के नाम को सही सत्यापन कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय बजट पर अधिवक्ता । संजीव कुमार सेठ ने कहा कि छत्तीसगढ़ को मिलेगी नई उड़ान,

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने ऐतिहासिक बजट में रोजगार, स्वास्थ्य, निवेश और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया है, वहीं,

वैश्विक अनिश्चितता और घरेलू मांग को संतुलित करने की दिशा में भी कई बड़े ऐलान किए गए हैं। केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री ने छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के चार राज्यों-ओडिशा, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के लिए माइनिंग कॉरिडोर विकसित करने का ऐलान किया है। सरकार का दावा है कि इससे खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। केंद्रीय बजट से छत्तीसगढ़ में माइनिंग कॉरिडोर को लेकर बड़ा फोकस, खनिज परिवहन और लॉजिस्टिक्स मजबूत होंगे। रायपुर-विशाखापट्टनम इकॉनॉमिक कॉरिडोर से आयरन को बंदरगाह तक तेज पहुंच मिलेगी 7 खनन-समृद्ध जिलों (जैसे दंतेवाड़ा, कांकेर, राजनांदगांव आदि) को सीधा लाभ। इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी पर निवेश से उद्योगों को बढ़ावा। स्र्स्स्ध सपोर्ट से छोटे उद्योगों और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

दीपनारायण सिंह बने भाजपा नीति मंच के प्रदेश अध्यक्ष

सूरजपुर रामानुजनगर। भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य एवं सूरजपुर जिले के विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत परशुरामपुर निवासी दीपनारायण सिंह को भाजपा नीति मंच का प्रदेश

अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हर्ष महेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि नीति मंच के प्रति दीपनारायण सिंह की निरंतर सक्रियता, लगन और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। यह नियुक्ति नीति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष कारी फ़तेउधीन खान क़ादरी की सहमति से की गई है। दीपनारायण सिंह आत्म स्वर्गीय आदित्यनारायण सिंह के सुपुत्र हैं और लंबे समय से भाजपा संगठन के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते आ रहे हैं। उनकी नियुक्ति से प्रदेश में नीति मंच को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नियुक्ति के बाद दीपनारायण सिंह ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए लगातार कार्य करेंगे।

संजीव गुप्ता बने भाजपा युवा मोर्चा रामानुजनगर के मण्डल अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में उत्साह

भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी और भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने जारी की नई कार्यकारिणी की सूची रामानुजनगर भारतीय

जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सूरजपुर जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा (क्ष्छ्ङ्क्रू) की संगठनात्मक संरचना को मजबूती प्रदान करते हुए मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है। इस नई घोषणा में ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को तरजीह देते हुए प्रेमनगर क्षेत्र की कमान युवा नेतृत्व को सौंपी गई है। संजीव गुप्ता को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता द्वारा जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, संजीव गुप्ता को रामानुजनगर युवा मोर्चा मंडल का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में रामानुजनगर क्षेत्र में युवाओं का संगठन और अधिक सशक्त होगा। संजीव गुप्ता ने अपनी नियुक्ति पर वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

हर साल 1 फरवरी को जनसेवा की परंपरा

डॉ. नूरुल हसन फिरदौसी की स्मृति में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 300 से ज्यादा मरीजों लोगों को मिला इलाज..

बरगीडीह। ट्रैक सीजी
न्यूज शैफफिरदौसी

सरगुजा अंचल के प्रथम पीढ़ी के सर्जन स्वर्गीय डॉ. नूरुल हसन फिरदौसी की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 1 फरवरी को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी बरगीडीह स्थित उनके निज निवास (रैन बसेरा) में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक मरीजों ने नि:शुल्क जांच एवं उपचार का लाभ उठाया। डॉ. नूरुल हसन फिरदौसी सरगुजा के फर्स्ट जेनरेशन सर्जन थे, जो गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने चिकित्सा सेवा को मानव सेवा का माध्यम बनाकर जीवनभर समाज की सेवा की। उनकी इसी जनसेवा भावना को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष उनके निज निवास में प्रतीकात्मक रूप से इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। यह शिविर डॉ. फिरदौसी हॉस्पिटल के तत्वावधान में तथा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. फैजुल हसन फिरदौसी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर में अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 10 डॉक्टरों की टीम ने मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श एवं त्वरित उपचार उपलब्ध कराया।

नि:शुल्क जांच सुविधाएं- शिविर में फइब्रो स्कैन द्वारा लीवर जांच, ईसीजी, बीएमडी (हड्डी घनत्व जांच), सीबीसी ब्लड जांच तथा एक्स-रे जांच की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई। सभी जांचों की रिपोर्ट तत्काल प्रदान कर मरीजों को त्वरित समाधान दिया गया।

इन विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं
डॉ. फैजुल हसन फिरदौसी ङ्क लेप्रोस्कोपी सर्जन
डॉ. अनुरंजन दुबे ङ्क हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. शैलेंद्र गुप्ता ङ्क नाक, कान व गला रोग

विशेषज्ञ
डॉ. बी. कमलेश ङ्क शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ. रवि शंकर सिंह ङ्क दर्द निवारण विशेषज्ञ
डॉ. अभिजीत जैन ङ्क नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. अमीन फिरदौसी ङ्क होम्योपैथिक विशेषज्ञ
डॉ. मोहसिन फिरदौसी ङ्क दंत रोग विशेषज्ञ
फिजियोथेरेपिस्ट आरिज फिरदौसी

डॉ. अमरीन फिरदौसी ङ्क होम्योपैथिक विशेषज्ञ- शिविर में दंत रोग से पीड़ित मरीजों के दांत आवश्यकतानुसार तत्काल निकाले गए। वहीं आंखों से संबंधित रोगों, विशेषकर मोतियाबिंद से ग्रसित मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इसके अलावा हर्निया, कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को आगे के उपचार की सलाह दी गई।

आयुष्मान भारत योजना का मिलेगा लाभ- शिविर में आए मरीजों को जानकारी दी गई कि शिविर की पर्ची लेकर डॉ. फिरदौसी हॉस्पिटल जाने पर किसी भी प्रकार की डॉक्टर फीस नहीं ली जाएगी तथा पात्र मरीजों का आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क इलाज किया जाएगा। शिविर में दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे स्वर्गीय डॉ. नूरुल हसन फिरदौसी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। साथ ही लायंस क्लब अंबिकापुर की टीम ने आकर सभी को फल वितरण भी किया और शिविर की खूब सराहना की।

विधायक भूलन सिंह मरावी बोले-यह बजट विकसित भारत की मजबूत नींव

सूरजपुर संवाददाता। केंद्र सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट पर प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने विस्तृत प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश के सर्वांगीण विकास, आर्थिक मजबूती और जनकल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम वर्ग और उद्यमियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि केंद्रीय बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया

है। इससे देश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास की गति तेज होगी। उन्होंने कहा कि बजट में सड़कों, रेल, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आवास और ऊर्जा क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधान देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। युवाओं के लिए कौशल विकास, स्वरोजगार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के फैसले आने वाले समय में रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। विधायक ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वयं सहायता समूहों को मजबूती और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं यह साबित करती हैं कि केंद्र सरकार समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चल रही है। यह बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को पूरी तरह दर्शाता है। अंत में विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि यह केंद्रीय बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने का स्पष्ट रोडमैप है। आने वाले वर्षों में इस बजट का सकारात्मक असर देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों के जीवन स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

अनूप बने जिला भाजपा युवा मोर्चा के नीति एवं अनुसंधान सहप्रमुख....

सूरजपुर संवाददाता। भारतीय जनता युवा मोर्चा सूरजपुर में संगठन को मजबूती देने की दिशा में प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा राहुल योगराज टिकरिहा के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के सहमति से युवा मोर्चा सूरजपुर जिलाध्यक्ष देव गुप्ता के द्वारा युवा मोर्चा की जिला कार्यकारिणी एवं मण्डल अध्यक्षो की घोषणा की गई है। इसी कड़ी में ग्राम राई, भटगांव मंडल निवासी अनूप जायसवाल को जिला भाजयुमो नीति एवं अनुसंधान सहप्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी है। ज्ञात हो कि श्री जायसवाल लंबे समय से युवा मोर्चा में सक्रिय रहे हैं। बता दे कि इससे पूर्व अनूप जायसवाल युवा मोर्चा भटगांव मंडल में उपाध्यक्ष, पूर्व सांसद प्रतिनिधि वन परीक्षेत्र कसकेला, उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय हिन्दू महासभा सूरजपुर, वर्तमान में हाईस्कूल शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष व ग्राम पंचायत राई पंच, वार्ड क्रमांक 03 व कृषि, राजस्व तथा वन समिति के अध्यक्ष है। इस नियुक्ति से पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं में

खुशी है। संगठन ने उनकी बेहतर कार्यशैली को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी है। उन्होंने संगठनात्मक कार्यों, लगातार जनसंपर्क अभियान और युवाओं को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने निरंतर परिश्रम और सक्रियता से पार्टी को मजबूत करने में योगदान दिया है। इस नियुक्ति को लेकर अनूप ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व व जिला संगठन का आभार व्यक्त किया है।

रामानुजनगर महाविद्यालय के रा.से.यो. का सात दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

रामानुजनगर - शासकीय महाविद्यालय रामानुजनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) इकाई के तत्वावधान में ग्राम पंचायत पतरापाली स्थित पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक जिम्मेदारी एवं ग्रामीण विकास के प्रति जागरूकता विकसित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती परवतिया सिंह, उपसरपंच श्रीमती मधुशिला सिंह, ग्राम पंचायत सचिव अजय सिंह तथा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आर. के. साहू द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवपूजन गुप्ता ने किया। अतिथियों के स्वागत उपरांत वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आर. के. साहू ने रा.से.यो. इकाई के उद्देश्य, विशेष शिविर के महत्व तथा इसके सामाजिक पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

इसके पश्चात रा.से.यो. के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. उत्तम प्रकाश ने राष्ट्रीय सेवा योजना की रूपरेखा, गतिविधियों एवं विद्यार्थियों की भूमिका पर विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच एवं ग्राम पंचायत सचिव ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को ग्राम विकास के कार्यों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. कन्हैया लाल, श्रीमती स्वाति कश्यप, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. उत्तम प्रकाश, शिवपूजन गुप्ता सहित ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में रा.से.यो. के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। सात दिवसीय इस विशेष शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

बालको ने डिजिटल समाधान से स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को दी नई दिशा'

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने संयंत्र और विभागों में डिजिटल तकनीक के उपयोग बढ़ावा दिया है। इसमें सप्लाई चेन, पॉटलाइन, कास्ट हाउस, रोल्ड प्रोडक्ट्स और कार्बन यूनिट शामिल हैं। इसका उद्देश्य काम को ज्यादा सुरक्षित, तेज, बेहतर गुणवत्ता वाला और पारदर्शी बनाना है। ये पहल प्रचालन दक्षता बढ़ाने, गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, सुरक्षा को मजबूत करने और सशक्त गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई हैं, जो कंपनी की जिम्मेदार एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। आज के समय में वैश्विक धातु उद्योग में डिजिटल तकनीक बहुत जरूरी हो गई है। बालको की यह पहल वेदांता के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत भविष्य के लिए तैयार प्रचालन प्रणालियाँ तकनीक आधारित इंटेलिजेंस पर आधारित होनी चाहिए। गुणवत्ता और ग्राहकों के भरोसे को मजबूत करने के लिए बालको ने 'क्वालिटी संकल्प ऐप' शुरू किया है। इस ऐप से कर्मचारी शॉपफ्लोर पर ही गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी रियल-टाइम में दर्ज कर सकते हैं। इससे समस्या को जल्दी पहचानकर तुरंत सुधार किया जा सकता है। इस ऐप में मशीनों की स्थिति और स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण (एचएसई) से जुड़ी जानकारियां भी दर्ज की जाती हैं। इससे प्रचालन उत्कृष्टता के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है। कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए बालको ने अपनी लैब और उत्पादन से जुड़ी कई प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया है। कोयला प्रयोगशाला को पूरी तरह डिजिटल कर दिया गया है, जिससे नमी, राख, सल्फर जैसे जरूरी टेस्ट अपने-आप रिकॉर्ड हो जाते हैं। इससे उत्पादन की गुणवत्ता और पर्यावरण से जुड़ा प्रदर्शन बेहतर होता है और सही फैसले लेने में मदद मिलती है। यह एकीकृत डिजिटल ढांचा संसाधन योजना, प्रक्रिया नियंत्रण और गवर्नेंस को सुदृढ़ करता है तथा संपूर्ण वैल्यू चेन में सूचित प्रचालन निर्णय लेने में सहायक बनता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको में डिजिटल तकनीक का मतलब सिर्फ नई मशीनें या सॉफ्टवेयर लाना नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, जिम्मेदारी और लगातार सुधार की संस्कृति बनाना है। इन पहलों से हमारी गुणवत्ता, सुरक्षा और गवर्नेंस मजबूत हुई है। वेदांता एल्युमिनियम का हिस्सा होने के नाते हम अपनी सभी प्रक्रियाओं में डिजिटल सिस्टम को शामिल कर रहे हैं ताकि भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार रह सकें। सुरक्षा के क्षेत्र में बालको ने एक डिजिटल कन्सीक्वेंस मैनेजमेंट पोर्टल शुरू किया है, जिसमें असुरक्षित काम, गलत परिस्थितियों और जोखिमों की जानकारी दर्ज की जाती है। इससे खतरे को समय रहते पहचानकर उस पर कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही, 24इ7 कर्मचारी व्यवहार निगरानी प्रणाली के जरिए काम और वाहनों की आवाजाही से जुड़े जोखिमों पर लगातार नजर रखी जाती है। इसके अलावा, बालको ने मेटल ऑपरेशंस में उत्पादन और खपत की जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑटोमेट कर दिया है। अब उत्पादन से जुड़ा डेटा तुरंत उपलब्ध हो जाता है, मैनुअल काम कम होता है।

विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल सूरजपुर के द्वारा नाबालिक दुष्कर्म मामले में संयुक्त रूप से प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

■ बसदेई क्षेत्र अंतर्गत हुए नाबालिक के साथ हुए दुष्कर्म के विरोध में बुलडोजर कार्यवाही करने एवं नाबालिक पीड़िता को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया है

सूरजपुर संवाददाता। बसदेई क्षेत्र अंतर्गत नाबालिक दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने तथा आरोपी मोहम्मद आजम खान को कठोरतम सजा दिलाने साथ ही साथ बुलडोजर कार्यवाही करने हेतु बजरंग दल द्वारा ज्ञापन सौंप कर प्रशासन से मांग की गई है। साथ ही साथ विश्व हिन्दू परिषद ने भी प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर दुष्कर्म नाबालिक पीड़िता व उसके नवजात शिशु को शासन की योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता, चिकित्सा सुविधा, शिक्षा एवं पुनर्वास सुविधा एवं पीड़िता को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में विश्व हिन्दू परिषद जिला मंत्री दिनेश साहू, बजरंग दल जिला संयोजक अनुज साहू सहित बजरंग दल के जिला मिलन प्रमुख पवन गुप्ता, प्रखंड संयोजक मनीष देवांगन, नगर संयोजक अंशु कसेरा, सह संयोजक आर्यन गुप्ता, सुरक्षा प्रमुख ऋषि कसेरा, सह सुरक्षा प्रमुख विष्णु विश्वकर्मा, अखाड़ा प्रमुख सूर्यकांत कसेरा, गौरक्षा प्रमुख सागर देवांगन एवं आकाश कसेरा, राकेश साहू, हिमांशु राजवाड़े, आशीष देवांगन, संदीप ठाकुर, रुपेश विश्वकर्मा, अभिषेक कुशवाहा, सुजीत कसेरा, गुलाब राजवाड़े, रुपेश कुशवाहा, हेमू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के उत्तम सिंह रंधावा बने जिलाध्यक्ष

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, जिला कोरबा के लिए उत्तम सिंह रंधावा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर जिले भर के भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है।बताया जा रहा हैं की उत्तम सिंह रंधावा लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक कार्यशैली से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समाज के बीच भाजपा की विचारधारा को मजबूती से पहुंचाने, संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने तथा सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

दांतों के बीच का गैप शुभ है या अशुभ ?

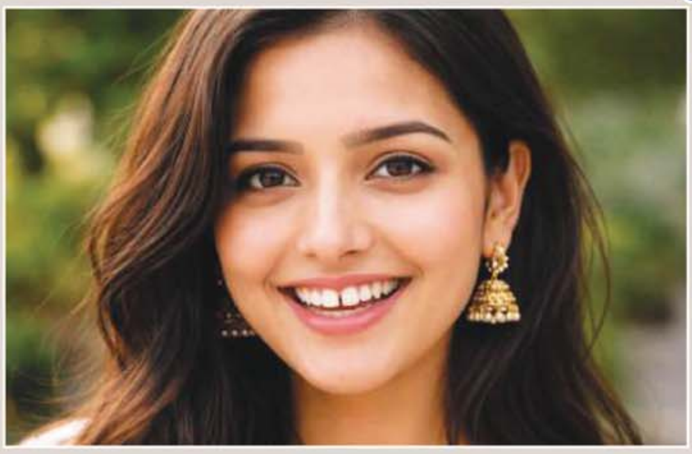

सामुद्रिक शास्त्र कहता है कि शरीर पर मौजूद छोटा सा तिल या कोई भी निशान कुछ न कुछ संकेत देता है। भारतीय ज्योतिष और सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के विशेष अंगों और लक्षणों का संबंध भाग्य से जोड़ा गया है। सामुद्रिक शास्त्र में कहा गया है कि शरीर का छोटा सा तिल या निशान व्यक्ति के स्वभाव के गहरे राज खोल देता है। ऐसे में आज हम सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जानेंगे कि वो लोग कैसे होते हैं, जिनके दांतों में गैप होता है। इनकी क्या विशेषता होती है? साथ ही जानेंगे कि दातों में गैप होना शुभ माना जाता है या अशुभ।

दांतों में गैप होना होता है शुभ

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, दांतों में गैप होना शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे लोग जिस भी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मेहनत करते हैं, उसमें सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग परेशानियों से घबराते नहीं हैं, बल्कि खुलकर हर हालात का सामना करते हैं। अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों के दांतों में गैप होता है वो खुले विचारों के होते हैं। ये किसी की गुलामी या चापलूसी करना पसंद नहीं करते।

बहुत मिलनसार होता है स्वभाव

ये लंबे समय तक नौकरी न करके कारोबार पर जोर देते हैं। इसके अलावा इन लोगों का दिमाग क्रिएटिव होता है। सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक, जिन लोगों के दांतों में गैप होता है, आमतौर पर वो बहुत मिलनसार स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग अपने संबंधों को जोड़ने का हर प्रयास करते हैं। ये अपने परिवार से सच्चा प्यार करते हैं और हर रिश्ता ईमानदारी से निभाते हैं। ऐसे लोगों की शादीशुदा जिंदगी भी अच्छी चलती है। ऐसे लोग अलग-अलग तरह के खाने का शौक रखते हैं। इनसे भूख बर्दाश्त नहीं हो पाती। ये हर तरह का भोजन करना पसंद करते हैं। ये ज्यादातर समय खाने के बारे में ही सोचते हैं।

घर में कहां रखनी चाहिए तिजोरी ?

जानें वास्तु से जुड़े नियम

वास्तु शास्त्र के मुताबिक यदि चीजें घर सही दिशा में और सही तरीके से रखी या फिर बनी हों तो सुख-समृद्धि बनी रहती है। यदि चीजें वास्तु के मुताबिक ना हो तो व्यक्ति को तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में से एक चीज है तिजोरी। चलिए जानते हैं तिजोरी को घर में कहां और कैसे रखना चाहिए।

कुबरे की दिशा

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना गया है। ऐसे में हमेशा घर की उत्तर दिशा में धन स्थान बनाना चाहिए क्योंकि इस दिशा में बनी तिजोरी या लाकर हमेशा पैसों से भरा रहता है।

तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, तिजोरी के कमरे का दरवाजा पूर्व या उत्तर दिशा में होना शुभ होता है। ध्यान रखना चाहिए कि उत्तर दिशा में दरवाजे के सामने तिजोरी नहीं रखनी चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का भी ध्यान रखना चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी के लिए पूर्व या उत्तर दिशा में एक छोटी खिड़की लगाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से धन लाभ होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

ध्यान रखें ये बातें

वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस कमरे में धन स्थान बनाना हो वहां पर आने-जाने के लिए सिर्फ एक दरवाजा होना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार अधिक दरवाजे और खिड़की वाला धन स्थान अच्छा नहीं माना जाता है।

इस दिशा में ना रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भूलकर भी धन स्थान या फिर कहें तिजोरी को दक्षिण दिशा में नहीं बनाना चाहिए क्योंकि यह यम की दिशा होती है और इस दिशा में बना धन स्थान अक्सर आर्थिक दिक्कतों का कारण बनता है।

गंदगी ना रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार तिजोरी या लॉकर के आस-पास या फिर उसके भीतर कभी भी गंदगी नहीं होनी चाहिए। वास्तु के अनुसार धन की देवी को प्रसन्न रखने के लिए कभी भी तिजोरी को गंदे हाथों या अपवित्र अवस्था में नहीं छूना चाहिए।

लहसुन का सेवन करना सेहत के लिए फायदेमंद

लहसुन को रसोई में सिर्फ स्वाद बढ़ाने वाले मसाले के रूप में ही नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक औषधि के रूप में भी जाना जाता है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इसके स्वास्थ्यवर्धक गुणों को मान्यता देते हैं। खासतौर पर खाली पेट लहसुन का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी लेकर 1-2 कच्ची लहसुन की कलियां चबाना स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। यदि लहसुन की तीव्र गंध से परेशानी हो, तो इसे छोटे टुकड़ों में काटकर पानी के साथ निगल सकते हैं। कच्चा लहसुन खाने से इसके एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और अन्य पोषक तत्व पूरी तरह से शरीर में जाते हैं, जबकि पकाने पर इनकी मात्रा कम हो जाती है। लगातार कुछ दिनों तक नियमित सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, दिल और रक्त प्रवाह की सेहत सुधरती है और कई तरह के रोगों से बचाव होता है।

1. इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है
लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। नियमित सेवन से सर्दी, जुकाम और अन्य संक्रमणों से बचाव में मदद मिलती है।

2. वजन घटाने में मददगार
लहसुन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को कम करने में सहायक होता है। खाली पेट इसका सेवन करने से भूख भी नियंत्रित रहती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

3. सूजन और दर्द को कम करता है
लहसुन में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और दर्द को घटाने में मदद करते हैं। यह जोड़ों के दर्द और गठिया में भी फायदेमंद है।

4. हड्डियों को मजबूत बनाता है
लहसुन में मौजूद पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत रखते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचा सकते हैं। इसलिए खाली पेट इसका सेवन लाभकारी हो सकता है।

5. दिल की सेहत में सुधार
लहसुन कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। ये धमनियों को साफ रखता है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाता है, जिससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

6. पेट की समस्याओं को कम करता है
लहसुन पाचन तंत्र को मजबूत करता है और गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह पेट के संक्रमण से भी बचाव करता है।

ठंड के मौसम में कैसे लगाएं बालों में मेंहदी?

सफेद बाल किसी को नहीं पसंद। इसलिए इन्हें रंगने के लिए लोग हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं। अब हर कोई केमिकल वाली डाई लगाना पसंद नहीं करता तो सबसे सेफ ऑप्शन है मेंहदी। ये बालों को नेचुरली कलर भी देती है और पोषण भी। हालांकि ठंड के मौसम में मेंहदी लगाना थोड़ा मुश्किल होता है। क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है जिस वजह से सर्दी-जुकाम की समस्या हो सकती है। अब ऐसे में सफेद बालों को हाइड करने के लिए क्या किया जाए, ये समझ नहीं आता। तो चलिए आज जानते हैं कि ठंड के मौसम में मेंहदी को सुरक्षित तरीके से कैसे लगाया जाए। साथ ही जानेंगे कि इसे कितनी देर तक बालों में रखना काफी होता है।

- <u>मेंहदी में तिल का तेल मिलाकर लगाएं :-</u> सर्दियों के मौसम में तिल का तेल आपके बालों और स्किन के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए सर्दियों में ये लगाना बेस्ट है। मेंहदी का पेस्ट बनाते हुए भी आप तिल के तेल को मिला सकती हैं। इससे सर्दी भी नहीं लगेगी साथ में ये बालों को पोषण और चमक देने का भी काम करेगा।

- <u>धूप का लें पूरा फायदा :-</u> सर्दियों के मौसम में मेंहदी लगा रहे हैं, तो धूप का पूरा फायदा उठाएं। जिस दिन तेज धूप हो कोशिश करें कि मेंहदी भी उसी दिन अप्लाई करें। धूप में बैठकर मेंहदी लगाएं और हो सके तो कुछ देर धूप में ही इसे हल्का सुखा भी लें। ऐसा करने से आप खुद को सर्दी लगने से बचा सकते हैं।

- <u>ये चीजें मिलाकर पेस्ट बनाएं :-</u> मेंहदी की ठंडी तासीर को बैलेंस करने के लिए पेस्ट बनाते हुए लौंग के पानी का इस्तेमाल करें। इसके लिए 4-5 लौंग एक गिलास में डालकर पका लें, फिर इससे मेंहदी का पेस्ट बनाएं। इसके अलावा आप मेंहदी में आंवले का पाउडर या मेथी का पाउडर भी एड कर सकते हैं। इससे मेंहदी का रंग जल्दी आता है और सर्दियों में ज्यादा देर मेंहदी नहीं रखनी पड़ती।

<u>हीटर और ड्रायर का इस्तेमाल करें :-</u> मेंहदी का पेस्ट काफी ठंडा लगता है। ऐसे में आप इसे अप्लाई करने से पहले हीटर के आगे कुछ देर रख दें। इससे पेस्ट हल्का गर्म हो जाएगा, फिर लगाने में कोई समस्या नहीं आएगी। मेंहदी को जल्दी सुखाने के लिए आप ड्रायर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

डाइट सही फिर भी वेट लॉस नहीं?

जानें महिलाओं में स्लो फैट लॉस की असली वजह

कई भारतीय महिलाएं यह शिकायत करती हैं कि वे पुरुषों जितनी मेहनत करने के बावजूद वजन कम नहीं कर पातीं। एक जैसी डाइट, वही वर्कआउट और फिर भी नतीजे अलग- इसका कारण आलस नहीं बल्कि शरीर की बनावट, हार्मोन और लाइफस्टाइल है। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, महिलाओं के शरीर की जरूरतें पुरुषों से बिल्कुल अलग होती हैं, इसलिए उनका वेट लॉस प्रोसेस भी अलग होता है।

महिलाओं में मसल मास कम होना:
महिलाओं के शरीर में प्राकृतिक रूप से मसल्स कम होती हैं। मसल्स जितनी ज्यादा होंगी, उतनी तेजी से कैलोरी बर्न होती है। कम मसल मास होने की वजह से फैट बर्निंग प्रोसेस धीमा हो जाता है।

हार्मोनल उतार-चढ़ाव:
पीसीओएस, थायरॉइड, पीरियड्स और मेनोपॉज जैसे हार्मोनल बदलाव महिलाओं के मेटाबॉलिज्म को सीधे प्रभावित करते हैं। अवंती देशपांडे बताती हैं कि इन स्थितियों में शरीर फैट स्टोर करने लगता है, खासकर पेट के आसपास।

ज्यादा स्ट्रेस और कोर्टिसोल:
भारतीय महिलाएं घर और काम की दोहरी जिम्मेदारी निभाती हैं, जिससे तनाव का स्तर ज्यादा रहता है। ज्यादा स्ट्रेस से कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जो पेट की चर्बी बढ़ाने का बड़ा कारण बनता है।

प्रोटीन की कमी:
अधिकतर भारतीय डाइट कार्बोहाइड्रेट-भरी होती है, जबकि प्रोटीन कम होता है। प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने के लिए जरूरी है। इसकी कमी से वेट लॉस रुक जाता है।

पोषक तत्वों की कमी:
आयरन, विटामिन B12 और मैग्नीशियम की कमी महिलाओं में आम है। इससे थकान, मीठा खाने की क्रेविंग और लो एनर्जी जैसी समस्याएं होती हैं, जो वेट लॉस को मुश्किल बना देती हैं।

नींद की कमी:
नींद पूरी ना होने से भूख और फैट बर्निंग से जुड़े हार्मोन बिगड़ जाते हैं। इससे वजन घटने के बजाय बढ़ने लगता है।
ये भी पढ़ें :ठंड लगना से लेकर नसें दिखने तक- फैट लॉस के ये संकेत जानकर चौंक जाएंगे

हेल्थ टिप:
महिलाओं के लिए वेट लॉस का रास्ता अलग होना चाहिए। सही प्रोटीन, हार्मोन बैलेंस, स्ट्रेस मैनेजमेंट और अच्छी नींद- ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा फर्क ला सकते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए अन्य डॉक्टर से उचित सलाह ले सकते हैं।

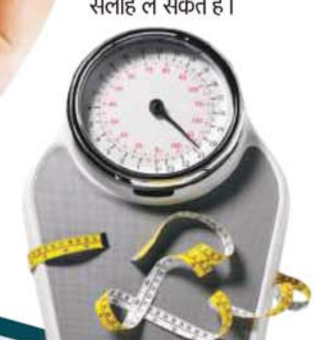

नींबू का अचार न सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ाता है, बल्कि जी मिचलाना, उल्टी होना जैसी समस्याओं में भी थोड़ा सा नींबू का अचार खाने से राहत महसूस होती है, इसलिए घर में नींबू का अचार बनाकर तो रखना ही चाहिए। इससे बनने में काफी टाइम लगता है, क्योंकि नींबू का छिलका मोटा होता है और इसे गलने में कम से कम 20 से 25 दिनों का टाइम चाहिए होता है। तेज धूप इसके लिए बेस्ट रहती है, क्योंकि गर्मी से नींबू गलने का प्रोसेस तेज हो जाता है। सर्दी में धूप नहीं होती है, ऐसे में आप इंस्टेंट नींबू का अचार भी बना सकते हैं जो स्वाद में भी कमाल का होता है और लंबे समय तक खराब भी नहीं होगा। नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है और इसका खट्टा स्वाद खाने को एक वाइब्रेंट टच देता है। स जी न भी हो तो भी इससे पराठे कमाल के स्वादिष्ट लगते हैं।

नींबू का अचार

क्या चाहिए इनग्रेडिएंट्स?

अचार के लिए आप 250 ग्राम नींबू, एक चौथाई कप सरसों का तेल, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, आधा छोटा चम्मच काली मिर्च, आधा छोटा चम्मच राई, आधा छोटा चम्मच कलौंजी, 2-3 पिंच हींग। डेढ़ चम्मच नमक ले लें। अगर आपको आधा किलो नींबू का अचार डालना है तो इन सारी चीजों को डबल कर दें हालांकि नमक अपने स्वाद के मुताबिक लें। इसी तरह से आप 1 किलो से लेकर कितने भी किलो का नींबू का अचार बनाएं तो मसालों के माप को बढ़ाते जाएं। अब जान लें इंस्टेंट अचार बनाने का तरीका।

नींबू का इंस्टेंट अचार

अचार के लिए नींबू खरीदते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि इसके छिलके बिल्कुल साफ हो। इसमें किसी भी तरह के दाग-धब्बे नहीं होने चाहिए।
सबसे पहले 3-4 कप पानी को उबालने के लिए रख दें और तब तक सारे नींबू को धोकर अच्छी तरह से साफ कर लें।
जब पानी में 1 उबाल आ जाए तो गैस को धीमा करके उसमें नींबू डाल दें और 10 मिनट के लिए उबलने दें।
नींबू जब उबल जाएं तो इसे निकालकर एक प्लेट में ठंडा होने के लिए रख दें और पोंछकर इसका सारा पानी हटा दें।
सारे नींबू को चार-चार टुकड़ों में काटकर एक प्लेट में रखते जाएं और नींबुओं से बीज भी अलग कर दें।
अब कटे हुए नींबू के टुकड़ों में आपको हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाना है, साथ ही काली मिर्च को दरदरा कूटकर एड कर दें।

पैन में सरसों का तेल धुआं आने तक गर्म करें और फिर गैस को धीमा करके उसमें राई भूनें। फिर कलौंजी और हींग भी डालकर गैस को ऑफ कर दें।
अब इस तैयार किए गए सरसों के तेल को नींबुओं में एड करके चम्मच से मिलाएं। इस तरह से आपका इंस्टेंट अचार बनकर तैयार हो जाएगा।
इस अचार का कांच के जार में भरकर रख दें। इसे दो से तीन दिन रूम टेम्परेचर पर ही रखेंगे तो ये खाने लायक हो जाएगा।
आपको दिन में 1 से 2 बार अचार को ऊपर से नीचे हिला देना है ताकि सारे मसाले अच्छी तरह से नींबू पर कोट हो जाएं।

स्टेट लेवल पर गवर्नमेंट वैशाली नगर कॉलेज का दबदबा, मंत्री ने किया सम्मानित

राज्य स्तरीय एनएसएस कैंप में वैशाली नगर कॉलेज के स्वयंसेवकों का उल्लेखनीय योगदान

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के शासकीय वैशाली नगर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर शहर का गौरव बढ़ाया है। एनएसएस कैंप में शानदार प्रदर्शन के चलते यहां के विद्यार्थी शीर्ष स्थान पर रहे। साथ ही कैबिनेट मंत्री के हाथों सम्मानित भी किए गए। गौरतलब है कि बलौदाबाजार में सात दिवसीय राज्य स्तरीय एन.एस.एस शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश की नौ विश्वविद्यालयों से दो सौ 50 से ज्यादा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस शिविर में दुर्ग स्थित शासकीय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की ओर से 20 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट और उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। सबसे खास भिलाई के वैशाली नगर स्थित इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक कामरान अली ने ई-पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही रील मेकिंग स्पर्धा में भी

उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। महाविद्यालय की एन.एस.एस स्वयंसेविका डीकेश्वरी साहू ने रंगोली स्पर्धा, सांस्कृतिक संध्या और सांस्कृतिक रैली में उत्कृष्ट प्रदर्शन की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वयंसेवकों को छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। इस शिविर में महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ठाकुर का विशेष सहयोग रहा। राज्य स्तरीय एन.एस.एस शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता एवं सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.अलका मेश्राम ने कहा कि हमारे होनहार विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और एनएसएस का मान और सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे होनहार छात्र और छात्राएं हमारे लिए गौरव है। हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कार्यक्रम समन्वयक जैनेंद्र दीवान और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.चांदनी मरकाम और समस्त प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, महाविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारी ने स्वयंसेवक की सराहना की।

रेलवे सुरक्षा को लेकर DG आरपीएफ सोनाली मिश्रा सख्त, दुर्ग स्टेशन का किया औचक निरीक्षण

दुर्ग। रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सोनाली मिश्रा शुक्रवार शाम अचानक दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचीं। उनके इस औचक निरीक्षण से रेल महकमे में हड़कंप मच गया। महानिदेशक ने पूरे स्टेशन परिसर का बारीकी से मुआयना किया और सुरक्षा व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत जानी। इस दौरान उनके साथ दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक शांडिल्य और दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सुरक्षा पर हाई-लेवल मीटिंग: स्टेशन के वीआईपी लाउंज में आयोजित समीक्षा बैठक में डीजी सोनाली मिश्रा ने सुरक्षा मानकों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति का संरक्षण बल की पहली जिम्मेदारी है। बैठक में अपराध नियंत्रण और संगठित गिरोहों पर लगाम कसने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

मानव तस्करी पर 'जीरो टॉलरेंस': महानिदेशक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मानव तस्करी को रोकना और महिलाओं व बच्चों को सुरक्षित माहौल देना आरपीएफ की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने को कहा।

तकनीक और समन्वय पर जोर: निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कवरेज और ट्रेनों में सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। डीजी ने कहा, ÷बदलते समय के साथ अपराध के तरीके बदले हैं, इसलिए आरपीएफ को तकनीकी रूप से अत्याधुनिक और प्रशिक्षित होना होगा।÷ उन्होंने बेहतर परिणाम के लिए आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस के बीच आपसी समन्वय को अनिवार्य बताया।

केशकाल क्षेत्रवासियों को मिलेगा शुद्ध पेयजल विधायक ने किया वाटर टेस्टिंग लैब का उद्घाटन

केशकाल। केशकाल में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन योजना के तहत उन्नत जल गुणवत्ता परीक्षण हेतु नवीन प्रयोगशाला भवन का निर्माण करवाया गया है। केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के हाथों इस प्रयोगशाला का लोकार्पण हुआ। इस दौरान विधायक नीलकंठ तेकाम ने कहा कि इस वाटर टेस्टिंग लैब के उदघाटन से क्षेत्रवासियों को काफी लाभ मिलेगा। पेयजल की गुणवत्ता जांच के लिए कोंडागांव जाने की जरूरत नहीं है, अब केशकाल में ही जांच हो जाएगी। लोगों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण पीने का पानी उपलब्ध करवाया जाएगा। विधायक टेकाम ने कहा कि इस लैब के माध्यम से पानी में मौजूद हानिकारक तत्वों की समय पर जांच कर स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। लोगों का जो स्वस्थ बिगड़ने का महत्वपूर्ण कारण पानी ही होता है, अब लोगों को धीरे-धीरे

जागरूक होते जा रहे हैं और पानी का तत्काल लैब के माध्यम से जांच करवा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक बड़े ही महत्वपूर्ण आवश्यकता पर संवेदनशीलता दिखाते हुए इस वॉटर टेस्टिंग लैबोरेट्री की सौगात दी है। इसके लिए मैं क्षेत्र वासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। कोंडागांव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता वीरेंद्र पांडेय ने बताया कि केशकाल में सब डिवीजन लैब बिल्डिंग का लोकार्पण विधायक के हाथों सम्पन्न हुआ है। इस प्रयोगशाला में हमारे कर्मचारियों के द्वारा 12 पैरामीटर में एनएबीएल आधारित टेस्टिंग की जाएगी। चूंकि यह एनएबीएल सर्टिफाइड लैब है, इसलिए अब इस क्षेत्र के सैंपल टेस्टिंग सुविधाजनक रूप से यहीं हो पाएगी। साथ ही सैम्पल लेने के एक हफ्ते के भीतर पूरी टेस्टिंग मशीन सहित परिणाम मिल जाएगा। इस अवसर पर इस दौरान पार्षद सुदर्शन कुंजाम, विधायक प्रतिनिधि राजकिशोर राठी, जनपद पंचायत सीईओ अनुराग सिंह, सहायक अभियंता रवि प्रकाश जोशी, उप अभियंता निभा कोर्राम, जिला मॉनिटरिंग समन्वयक महादेव यदु, जिला जल परीक्षण समन्वयक मिथिलेश साहू, विक्रांत सिदार, प्रयोगशाला सहायक मनमोहन मंडावी, प्रयोगशाला अटेंडर सुनील यादव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी।कर्मचारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप से मिले महामहिम राज्यपाल रामेन डेका

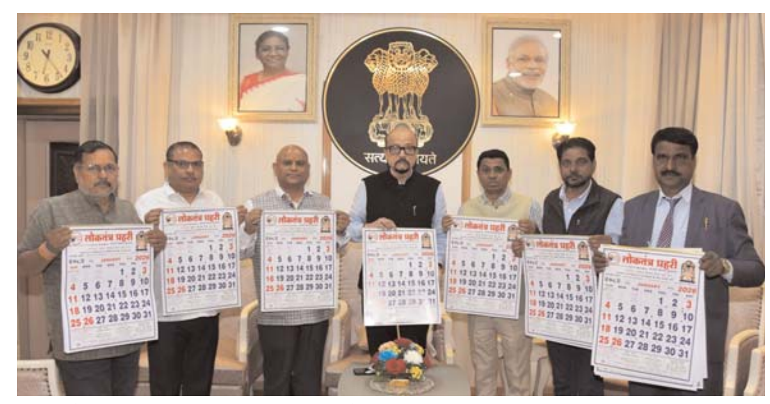

एस.आर.हॉस्पिटल एन्ड कॉलेज एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के वार्षिक कैलेंडर का किया विमोचन

एस.आर.ग्रुप के प्रयासों की करी सराहना

रायपुर / दुर्ग। महामहिम राज्यपाल रामेन डेका छत्तीसगढ़ शासन ने लोकभवन में 30 जनवरी को विधिवत रूप से, एस.आर.हॉस्पिटल एन्ड कॉलेज एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस दौरान एस.आर.हॉस्पिटल एन्ड कॉलेज के चेयरमेन एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक संजय तिवारी अपनी संस्था के द्वारा किये जा रहे जनहित के कार्यो से महामहिम राज्यपाल रामेन डेका को अवगत कराया जिससे महामहिम राज्यपाल रामेन डेका काफी प्रभावित हुए.और लोकतंत्र प्रहरी मीडिया की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी.उन्होंने विश्वास दिलाया कि,भविष्य में संस्था द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रमों में वे अपनी उपस्तिथि अवश्य दर्ज करायेंगें। इसके पूर्व, महामहिम राज्यपाल रामेन डेका छत्तीसगढ़ शासन ने एस.आर.हॉस्पिटल एन्ड कॉलेज एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के वार्षिक कैलेंडर का बारीकी से अवलोकन किया।और कैलेंडर में दी शासकीय जानकारी के साथ सभी धर्मो की तिथियों की जानकारियों को महत्वपूर्ण बताया। महामहिम राज्यपाल से मुलाकात के दरमियान दुर्ग एस.आर.हॉस्पिटल एन्ड कॉलेज के चेयरमेन एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक संजय तिवारी अपनी टीम के साथ लोकभवन पहुंचकर महामहिम राज्यपाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उन्हें नववर्ष की बधाईयां दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी विष्णु पाठक, डॉ. कमल किशोर शर्मा,भाजपा नेता संजय नायक एवं लोकतंत्र प्रहरी की टीम मौजूद रही.

सुपेला में संडे मार्केट से हटा अतिक्रमण, सुबह 6 बजे से ही चली कार्यवाही

भिलाई । सुपेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन का 'क्लीन स्वीप' अभियान रविवार को भी जारी रहा। पिछले तीन सप्ताह से चल रही निरंतर कार्यवाही के क्रम में आज, 01 फरवरी रविवार को घड़ी चौक से गदा चौक तक सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर पालिक निगम भिलाई और पुलिस बल ने संयुक्त मोर्चा संभाला।

सुबह 6 बजे शुरू हुई बड़ी कार्यवाही

रविवार की सुबह 06:00 बजे जब शहर सोकर उठ रहा था, तब निगम का अमला और भारी पुलिस बल सुपेला के संडे मार्केट क्षेत्र में पहुंच गया। टीम ने सड़क के दोनों ओर फैले अवैध कब्जों और दुकानों के बाहर निकले हिस्सों को हटाकर मार्ग को पूर्णतः क्लियर कर दिया। प्रशासन की इस मुस्तैदी के कारण संडे मार्केट में होने वाली भारी भीड़ के बावजूद यातायात व्यवस्था सामान्य बनी रही।

शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ अभियान

पूरी कार्यवाही के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। नगर पुलिस अधीक्षक (छावनी) के नेतृत्व में सुपेला, वैशाली नगर और भिलाई भट्टी थाने के अधिकारियों व कर्मचारियों ने मोर्चा संभाला। वहीं, निगम की ओर से राजस्व निरीक्षक और उनके अमले ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी विरोध की स्थिति सामने नहीं आई।

दुर्ग पुलिस की व्यापारियों को चेतावनी

कार्यवाही के बाद दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों और व्यापारियों के लिए कड़ा संदेश जारी किया है। पुलिस ने अपील की है कि:सार्वजनिक मार्गों और फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें।यातायात को सुचारू बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग दें।नियमों का उल्लंघन करने पर शासन द्वारा वैधानिक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

रिसाली निगम की बड़ी कार्रवाईः 5 साल से टैक्स दबाए बैठे लोगों के कटेंगे नल कनेक्शन, फिर होगी कुर्की

रिसाली: नगर पालिक निगम रिसाली में संपत्तिकर जमा करने में टाल-मटोल करने वाले बकायादारों पर अब गाज गिरने वाली है। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर ऐसे 19 बड़े बकायादारों की सूची तैयार की गई है, जो पिछले 5 वर्षों से टैक्स जमा करने में कोताही बरत रहे हैं। प्रशासन ने साफकर दिया है कि पहले इनके घर का नल कनेक्शन काटा जाएगा और फिर भी राशि जमा न होने पर संपत्ति कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

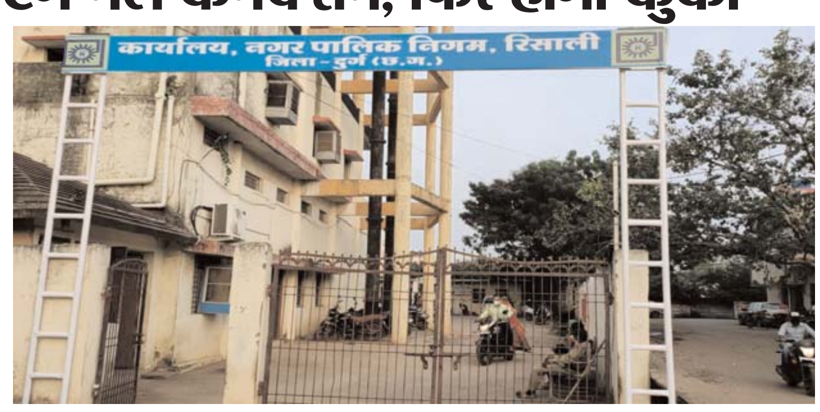

नोटिस के बाद अब एक्शन की तैयारी

संपत्तिकर विभाग के प्रभारी अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि कई लोग निगम की सभी सुविधाओं का लाभ तो ले रहे हैं, लेकिन कर भुगतान में रुचि नहीं दिखा रहे। निगम ने धारा 173 के तहत अंतिम नोटिस जारी कर दिया है। इसके बाद भी यदि टैक्स जमा नहीं होता है, तो धारा 174 के तहत कुर्की की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

इन बड़े बकायादारों को मिली 7 दिन की मोहलतः निगम ने 19 प्रमुख नामों की सूची सार्वजनिक करते हुए उन्हें 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:

बुनिया देवी (आजाद मार्केट): 8,13,713 और 22,21,740 का भारी बकाया।

राम ध्रुव विश्वकर्मा (स्टेशन मरोदा): 16,48,681

आर्यावर्त: 8,27,914

आजाद स्कूल (स्टेशन मरोदा): ?8,09,353

नवीन सिंह (मधुरिशा रेस्टोरेंट): ?4,44,939

ओम प्रकाश वर्मा (वैभव ट्रेडर्स): ?3,75,959

वीणा विद्या निकेतन: ?2,49,142

मैत्री नगर क्षेत्रः प्रदीप (?1.91 लाख), अखिलेश यादव (?1.30 लाख), शमीम अहमद (?1.50 लाख) और नवीन सिंह (?1.38 लाख)।

प्रशासन का कड़ा रुख

निगम अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई उन लोगों के खिलाफ है जो बार-बार समझाइश के बाद भी राजस्व की हानि कर रहे हैं। 7 दिन की मोहलत खत्म होते ही जमीनी स्तर पर नल विच्छेदन अभियान शुरू कर दिया जाएगा।

सब्जी उत्पादन में छत्तीसगढ़ का बढ़ता दबदबा

छत्तीसगढ़ः किसान ही अर्थव्यवस्था की रीढ़ और देश के 'जीवनदाता' हैं: शिवराज सिंह चौहान

कुम्हारी/दुर्ग । केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को दुर्ग जिले के कुम्हारी में आयोजित भव्य किसान मेला में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने किसानों को राष्ट्र निर्माण की धुरी बताते हुए खेती को आधुनिक और लाभप्रद बनाने पर जोर दिया। चावल उत्पादन में भारत ने चीन को पछाड़ा

किसानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साझा की। उन्होंने बताया कि भारत आज चावल उत्पादन में दुनिया में नंबर वन बन चुका है और हमने इस मामले में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। देश में रिकॉर्ड 18 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है, जिसमें 'धान का कटोरा' कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ का अमूल्य योगदान है।

कृषि विकास दर और तकनीक पर जोर-श्री चौहान ने कहा कि वर्तमान में कृषि की विकास दर 4.45 प्रतिशत है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि यदि खेती को लाभ का धंधा बनाना है, तो अब लकीर का फकीर बनने से काम

नहीं चलेगा। परंपरागत फसलों के साथ-साथ किसानों को: फलों, सब्जियों और मसालों की खेती करनी होगी। औषधीय फसलों और उन्नत कृषि तकनीक को अपनाना होगा। नई तकनीक और उन्नत बीजों का प्रयोग करना होगा।

किसान केवल अन्नदाता नहीं, जीवनदाता है- भावुक होते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है और किसान उसकी आत्मा। किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि जीवनदाता है, और जीवनदाता भगवान के समान होता है।÷ उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत' का निर्माण हो रहा है, जिसमें किसानों की आय बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सब्जी उत्पादन में छत्तीसगढ़ का बढ़ता दबदबा-सब्जी और फल उत्पादन में भारत के रिकॉर्ड प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में उगाई जा रही सब्जियां दूसरे राज्यों में भेजी जा रही हैं, जो राज्य के किसानों की मेहनत का परिणाम है। इसके अलावा किसान मेले में खेती के आधुनिक तौर-तरीकों और नवाचारों की जमकर सराहना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार किसानों की सुरक्षा के लिए जल्द ही सख्त कानून लाने जा रही है।

***ग्राफ्टिंग तकनीक और ड्रैगन फ्रूट की खेती देख हुए गदगद-**खेतों का भ्रमण करने के दौरान केंद्रीय मंत्री ने वहां हो रहे प्रयोगों को देखा। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यहाँ बैंगन की जड़ों पर टमाटर और तीखी मिर्च के पौधे पर शिमला मिर्च उगाई जा रही है। गन्ने, कपास और केले के साथ-साथ अब छत्तीसगढ़ के किसान ब्लूबेरी और ड्रैगन फ्रूट जैसी विदेशी फसलों की खेती भी कर रहे हैं।

धान बनाम सब्जी: मुनाफे का गणित-दौरे के दौरान किसानों ने मंत्री को बताया कि परंपरागत धान की खेती में प्रति एकड़ लगभग 35 से 40 हजार रुपये की बचत होती है, जबकि उन्नत तकनीक से सब्जियों की खेती करने पर 2 लाख रुपये प्रति एकड़ तक का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

संसद के अगले सत्र में आएगा 'सीड एक्ट'- किसानों की समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए श्री चौहान ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि नकली खाद और बीज बेचने वाली कंपनियों पर नकेल कसने के लिए संसद के आगामी सत्र में 'सीड एक्ट' लाया जाएगा। इसके साथ ही कीटनाशकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पेस्टिसाइड कानून भी लाया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अनुसंधान और रिसर्च के लिए सरकार पूरा फंड देगी।

किसानों को 'दिल्ली' का बुलावा-मेले में प्रगतिशील किसानों द्वारा हाईटेक मंडी और प्रशिक्षण केंद्र की मांग पर मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। साथ ही, उन्होंने सभी प्रगतिशील किसानों को फरवरी माह में दिल्ली में आयोजित होने वाले 'कृषि चिंतन शिविर' के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया।

मंच पर मौजूद रहे दिग्गज-इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डे समेत कई वरिष्ठ नेता और युवा प्रगतिशील किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com